सूविचार

मनुष्य की इच्छाओं का पेट आज तक कोई नहीं भर सका है।

दैनिक

इंटरनल न्यूज

सच की तह तक....

internalnews@gmail.com www.internalnews.com

वर्ष : 12 | अंक : 44 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रूपये | भोपाल, बुधवार 13 मई 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

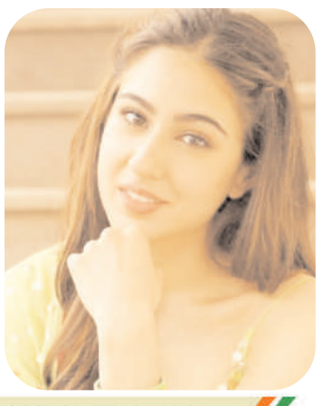

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में गहराया जल संकटः बीएमसी ने 10 प्रतिशत पानी कटौती की घोषणा की

मुंबई। मुंबई में गहराते जल संकट के बीच, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने 15 मई से शहर भर में पानी की आपूर्ति में 10 प्रतिशत कटौती की घोषणा की है। यह निर्णय मुंबई को पानी पिलाने वाली झीलों में जल स्तर में भारी गिरावट और इस साल कमजोर मानसून की मौसम विशेषज्ञों की चेतावनी को देखकर लिया गया है। हालांकि, बीएमसी के अधिकारियों ने नागरिकों से घबराने के बजाय सावधानी बरतने की अपील कर आश्वासन दिया है कि आने वाले समय में बड़े संकट से बचने के लिए पानी का वितरण सावधानीपूर्वक किया जा रहा है। बीएमसी के अनुसार, वर्तमान में मुंबई के जलाशयों में उपलब्ध जल भंडार शहर की वार्षिक आवश्यकता का केवल 23.5 प्रतिशत है। कुल मिलाकर, करीब 340,399 मिलियन लीटर पानी बचा है, जबकि शहर को सालाना 14 लाख मिलियन लीटर से अधिक की आवश्यकता होती है। निगम स्थिति पर प्रतिदिन बारीकी से नजर रख रहा है ताकि भविष्य में शहर को गंभीर जल संकट का सामना न करना पड़े। इस कटौती का एक प्रमुख कारण इस वर्ष कम वर्षा की आशंका है, जो अल नीनो और हिंद महासागर द्विध्रुव जैसी मौसम संबंधी स्थितियों से प्रभावित हो सकती है। बीएमसी ने निवासियों से पानी बर्बाद न करने और स्थिति सुधारने तक उसका सावधानीपूर्वक उपयोग करने का आग्रह किया है। संकट से निपटने के लिए, बीएमसी भाटसा और ऊपरी वैतरणा बांधों से अतिरिक्त जल भंडार छोड़ेगी, जिससे क्रमशः लगभग 147,092 मिलियन लीटर और 90,000 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति की जाएगी। मुंबईकरों की चिंताएं इस निर्णय से बढ़ गई हैं।

बृजभूषण यौन उत्पीड़न मामले में सुनवाई तेज, एसआईटी सदस्य का बयान दर्ज

नई दिल्ली। पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में राउज़ एवेन्यू अदालत में सुनवाई तेज हुई है। हाल ही में विशेष जांच दल (एसआईटी) के एक सदस्य, इंस्पेक्टर संदीप का बयान दर्ज किया गया, जो मामले की जांच में शामिल थे। अब अदालत ने जांच अधिकारी (आईओ) का बयान दर्ज करने के लिए मामले की अगली सुनवाई 15 और 19 मई को सूचीबद्ध की है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) अश्वनी पंवार की अदालत में यह महत्वपूर्ण कार्यवाही चल रही है। बृजभूषण और सह-आरोपी विनोद तोमर पर भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख रहते हुए भारत और विदेश में महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। यह मामला 2023 में जंतर-मंतर पर महिला पहलवानों के बड़े विरोध प्रदर्शन के बाद दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर और बाद में दाखिल आरोपपत्र से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के साक्ष्य अब लगभग पूरे हो चुके हैं, जिससे मामले में फैसले की दिशा स्पष्ट होने की उम्मीद है। इस बीच, अदालत के बाहर मीडिया से बात कर बृजभूषण ने अपने ऊपर लगे आरोपों और कुश्ती संस्था के फैसलों में अपनी भूमिका से इंकार किया। उन्होंने गोंडा में आयोजित राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में विनेश फोगाट को अयोग्य घोषित किए जाने के मामले में डब्ल्यूएफआई के फैसलों से खुद को अलग करते हुए दावा किया कि डब्ल्यूएफआई कभी किसी खिलाड़ी को प्रतिस्पर्धा से नहीं रोकता है। बृजभूषण ने कहा कि वह उस गड़बड़ी को ठीक करने में लगे हुए हैं जो इस महिला द्वारा फैलाई गई है, और कुश्ती मैचों के आयोजनों का निर्णय डब्ल्यूएफआई का अधिकार क्षेत्र है, उनका नहीं।

पीएम मोदी हुए सीएम सुवेंदु के फैसलों से गदगद

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की नवगठित भाजपा सरकार के मंत्रिमंडलीय निर्णयों की जमकर सराहना की है। उन्होंने मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी द्वारा लिए गए जन-कल्याणकारी फैसलों पर विशेष खुशी जाहिर की, खासकर बंगाल में आयुष्मान भारत योजना के कार्यान्वयन को मंजूरी देने पर। पीएम मोदी ने इन कदमों को जनता के हित में बताया और इस बात पर जोर दिया कि अब पश्चिम बंगाल में एक डबल-इंजन सरकार प्रमुख केंद्रीय योजनाओं का सुचारु रूप से संचालन सुनिश्चित करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, पश्चिम बंगाल के मेरे भाई-बहनों का कल्याण सर्वोपरि है! मुझे बहुत खुशी है कि राज्य के लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिलेगा, जो विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है। उन्होंने कहा कि यह योजना उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करती है, जिससे लाखों लोगों को सीधा फायदा मिलेगा। यह निर्णय राज्य में लंबे समय से लंबित एक महत्वपूर्ण मांग को पूरा करता है।बात दें कि मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने 9 मई को पदभार ग्रहण करने के बाद अपनी पहली कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें कुल छह महत्वपूर्ण निर्णय लिए।

प्रदेश बनेगा देश की डिजिटल और तकनीकी अर्थव्यवस्था का प्रमुख ग्रोथ इंजन

मध्यप्रदेश देश के 'नेक्स्ट जेन टेक्नोलॉजी हब' के रूप में हो रहा स्थापित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भावी तकनीकी नीतियों से विकास को मिल रही नई गति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश उभरते आईटी राज्य से आगे बढ़ते हुए नेक्स्ट जेन टेक्नोलॉजी हब के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है। मध्यप्रदेश निश्चित ही आने वाले समय में देश की डिजिटल और तकनीकी अर्थव्यवस्था के प्रमुख ग्रोथ इंजन के रूप में कार्य करेगा।राज्य सरकार द्वारा जीसीसी, एआई, सेमीकंडक्टर, ड्रोन, स्पेसटेक तथा एवीजीसी-एक्सआर जैसे भविष्य उन्मुख क्षेत्रों में लागू की गई नीतियां प्रदेश को देश की नई तकनीकी शक्ति के रूप में स्थापित कर रही हैं।

इन नीतियों से प्रदेश में वैश्विक निवेश को प्रोत्साहन मिलने के साथ युवाओं के लिए रोजगार, नवाचार एवं कौशल विकास के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश तकनीक, नवाचार और कौशल आधारित विकास मॉडल की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जीसीसी नीति लागू करने वाला देश का पहला राज्य मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) पॉलिसी-2025 लागू की है। इस नीति से बहुराष्ट्रीय कंपनियों को टेक्नोलॉजी, अनुसंधान, एनालिटिक्स और साझा सेवाओं के केंद्र स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

राज्य सरकार द्वारा पूंजीगत सब्सिडी, भूमि रियायत, किराया सहायता और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए वेतन अनुदान जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे शहरों में विकसित हो रहा आधुनिक आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदेश को निवेश के लिए आकर्षक बना रहा है। इंदौर सुपर कॉरिडोर में विकसित हो रहे विश्वस्तरीय आईटी पार्क हजारों रोजगार अवसर सृजित करेंगे।

प्रदेश सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में निरंतर बढ़ रहा आगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर नीति-2025 के माध्यम से चिप डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, अनुसंधान एवं विकास और डिजाइन आधारित स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा दिया जा रहा है। नीति में पूंजीगत निवेश सहायता, भूमि रियायत, स्टॉम्प शुल्क प्रतिपूर्ति और विद्युत शुल्क में छूट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के प्रावधान शामिल किये गये हैं। अनुसंधान आधारित कंपनियों और डिजाइन स्टार्ट-अप्स को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। भोपाल और ग्वालियर में पीसीबी मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों की स्थापना के लिए हजारों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव इस क्षेत्र में बढ़ते विश्वास को दर्शाते हैं। सरकार उच्च शिक्षण संस्थानों में वेरी लार्ज स्केल इंटीग्रेश (वीएलएसआई) चिप डिजाइन और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण से जुड़े विशेष पाठ्यक्रम भी शुरू कर रही है जिससे भविष्य के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार हो सके।

स्पेस टेक्नोलॉजी में राष्ट्रीय पहचान की ओर अग्रसर प्रदेश

प्रदेश 'स्पेसटेक नीति-2026' जारी करने के साथ ही अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी नई उड़ान भर रहा है।'स्पेसटेक नीति-2026' का उद्देश्य प्रदेश को देश का अग्रणी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र बनाना है। इस नीति के तहत उपग्रह निर्माण, भू-स्थानिक विश्लेषण, स्पेस स्टार्ट-अप्स और एडवांस्ड रिसर्च को बढ़ावा दिया जा रहा है।

सुवेंदु के पीए चंद्रनाथ की हत्या की जांच अब सीबीआई करेगी

कोलाकाता। पश्चिम बंगाल में सीएम सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या का मामला पश्चिम बंगाल सरकार की सिफारिश के बाद राज्य पुलिस से सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया गया है। औपचारिक अधिसूचना जारी होने के बाद सीबीआई इस मामले में कार्रवाई शुरू करेगी। सीबीआई के मुताबिक इस मामले को संभालने के लिए डीआईजी रैंक के एक अधिकारी की अगुवाई में एक स्पेशल एसआईटी गठित की है। यह सीबीआई, एसआईटी कोलकाता के जॉइंट डायरेक्टर की देखरेख में काम करेगी, और इसमें कोलकाता सीबीआई यूनिट के अधिकारी भी शामिल होंगे। सीबीआई की अलग-अलग यूनिट के अधिकारियों वाली सात-सदस्यीय टीम गठित की गई है, दिल्ली सीबीआई यूनिट के डीआईजी पंकज सिंह इस टीम की अगुवाई करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक यह घटनाक्रम बंगाल पुलिस द्वारा हत्या के मामले में तीन लोगों को गिरफ़्तार किए जाने के कुछ दिनों बाद सामने आया है। तीनों आरोपियों को पश्चिम बंगाल पुलिस की एसआईटी ने गिरफ़्तार किया था। तीनों आरोपियों को पश्चिम बंगाल लाए जाने और उत्तरी 24 परगना ज़िले की एक कोर्ट में पेश किए जाने के बाद 13 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ़्तार किए गए लोगों की पहचान बिहार के बक्सर ज़िले के पंडियापट्टी के रहने वाले विशाल श्रीवास्तव के रूप में हुई है, जबकि बाकी दो लोग यूपी के रहने वाले हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी है इसका ज़िक्र

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसलाः राजस्थान के स्कूलों में अब पढ़ाई जाएगी राजस्थानी भाषा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान में राजस्थानी भाषा को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है, इसके तहत राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में राजस्थानी भाषा को एक विषय के रूप में पढ़ाना अनिवार्य किया गया है। सामाजिक कार्यकर्ता पदम मेहता की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने राज्य की शर्मा सरकार को इस दिशा में जल्द कदम उठाने को कह दिया है। यह फैसला राजस्थानी भाषा को शैक्षणिक मान्यता देने की लंबे समय से चली आ रही मांग को बड़ी कानूनी मजबूती देता है। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में साफ किया कि बच्चों के मानसिक, बौद्धिक और सांस्कृतिक विकास के लिए मातृभाषा में शिक्षा अत्यंत जरुरी है। संविधान और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी शुरुआती शिक्षा लोकल भाषाओं में देने पर जोर देती है, और राजस्थान सरकार इस संवैधानिक जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकती। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस बात पर भी जोर दिया कि राजस्थानी भाषा पहले से ही कई विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही है, इसकारण यह कहना गलत होगा कि इस भाषा को शैक्षणिक मान्यता नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य की बीजेपी सरकार के अब तक के रवैये पर सवाल उठाकर कहा कि केवल आठवीं अनुसूची में शामिल न होने का हवाला देकर राजस्थानी भाषा को स्कूलों से दूर नहीं रखा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में स्कूल शिक्षा और रीट परीक्षा में राजस्थानी भाषा को शामिल करने की मांग उठी थी। शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की कि संवैधानिक अधिकार केवल कागजों तक सीमित नहीं रहने चाहिए, और अधिकारों के हनन का मूक दर्शक नहीं बना जा सकता।

भाजपा राज में नौजवानों का भविष्य सुरक्षित नहीं, माफिया का गठजोड़ देश को बर्बाद कर रहा : संजय सिंह

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी शिक्षा माफिया के साथ मिलकर देश के नौजवानों का भविष्य बर्बाद करने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा का पेपर पहली बार लीक नहीं हुआ है, इससे पहले वर्ष 2024 में भी पेपर लीक हुआ था और अब तीन मई को हुई परीक्षा में 180 में से 135 सवाल लीक होने का मामला सामने आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोग शिक्षा माफिया के पूरे गिरोह को संरक्षण दे रहे हैं, जिसकी वजह से बार-बार पेपर लीक की घटनाएं हो रही हैं और लाखों छात्र-छात्राओं तथा उनके परिवारों का भविष्य अंधकार में धकेला जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के लाखों नौजवान दिन-रात मेहनत करके प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन भाजपा सरकार और उसके संरक्षण में पल रहे शिक्षा माफिया उनके सपनों को कुचलने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आखिर यह पता लगाया जाना चाहिए कि पेपर लीक कराने वाले लोग कौन हैं, किसके संरक्षण में यह पूरा खेल चल रहा है और किन भाजपा समर्थित लोगों के जरिए शिक्षा के नाम पर यह संगठित कारोबार चलाया जा रहा है।

देश की खराब आथिक स्थिति के लिये केंद्र जिम्मेदार : अखिलेश

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पेट्रोल और सोना खरीदने को लेकर की गई अपील को गलत बताते हुए देश की खराब आर्थिक स्थिति के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

मंगलवार को प्रयागराज पहुंचे अखिलेश यादव ने एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में कहा कि देश की अर्थव्यवस्था लगातार कमजोर हो रही है और रुपये की कीमत गिरती जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की ओर से पेट्रोल-डीजल की बचत और सोना न खरीदने की अपील देश की आर्थिक स्थिति के पतन का संकेत है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा खुद देश के लिए संकट बन गई है।

सपा सांसद अजेंद्र लोधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिए गए विवादित बयान पर पूछे गए सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि इस्तेमाल की गई भाषा गलत थी और समाजवादी पार्टी उसका समर्थन नहीं करती। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के शब्दों का प्रयोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि लोधी जी का दुख दिल से बाहर आया है, लेकिन भाषा गलत थी। इस दौरान अखिलेश यादव ने सपा की बागी विधायक पूजा पाल पर भी तंज कसते हुए कहा कि उन्हें तो डिप्टी सीएम बना देना चाहिए था। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव प्रयागराज में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी के आवास भी पहुंचे।

देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति के बारे में जनता को बताना चाहिएः केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके द्वारा सुझाए गए मितव्ययता उपायों पर सवाल करते हुए कहा कि उन्हें देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति के बारे में जनता को बताना चाहिए। केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश ने अतीत में युद्धों सहित कई संकटों का सामना किया है, लेकिन मोदी से पहले किसी भी पीएम मोदी ने 7 सबसे कड़े कदमों की घोषणा नहीं की और जनता से उनका पालन करने का अनुरोध नहीं किया। उन्होंने कहा कि मोदी द्वारा सुझाए गए मितव्ययता उपायों के पीछे स्पष्ट कारण अमेरिका और ईरान के बीच का युद्ध है, लेकिन देश की गिरती अर्थव्यवस्था के पीछे कोई और कारण भी हो सकता है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी सवाल उठाया कि सभी मितव्ययता उपाय मध्यम वर्ग के लिए ही क्यों हैं और प्रधानमंत्री स्वयं, मंत्री, अधिकारी और देश के अति धनाढ्यों को इस तरह का त्याग क्यों नहीं करना चाहिए ?

नीट परीक्षा रद्द

पेपर लीक मामले में बड़ा एक्शन, जयपुर से दो हिरासत में

नई दिल्ली। देश की सबसे प्रतिष्ठित चिकित्सा प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2026 को लेकर एक बड़ा फैसला आया, जिसने लाखों छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा की शुचिता और छात्रों के हितों को ध्यान में रखकर नीट 2026 परीक्षा को रद्द करने का ऐतिहासिक ऐलान किया है। इसी बीच, राजस्थान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) ने पेपर लीक मामले में जयपुर से दो संदिग्धों, मनीष यादव और अविनाश लांबा, को हिरासत में लिया है। जयपुर से मनीष और अविनाश लांबा को हिरासत में लेने की प्रक्रिया को इस पूरे मामले में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है। जांच एजेंसियों को संदेह है कि इन दोनों की भूमिका उस संगठित नेटवर्क को फैलाने में थी, जो कि परीक्षा से पहले ही क्वेश्चन बैंक के नाम पर पेपर की सामग्री लीक की थी। हिरासत में लिए गए इन युवकों से विस्तृत पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे होने की उम्मीद है, जिससे पेपर लीक के पीछे के पूरे सिंडिकेट का पर्दाफाश हो सकता है। एसओजी अब इस बात की तह तक जा रही है कि यह नेटवर्क कितना बड़ा है और इसके तार देश के किन-किन शहरों से जुड़े हैं। एसओजी के एडिशनल डायरेक्टर जनरल विशाल बंसल ने मामले के तकनीकी और आपराधिक पहलुओं पर प्रकाश डाला है। जांच में सामने आया है कि परीक्षा से लगभग 15 दिन से एक महीने पहले तक 150 पन्नों का एक गेस पेपर छात्रों के बीच तेजी से सर्कुलेट हो रहा था। चौंकाने वाली बात यह है कि इस गेस पेपर में से 120 सवाल असली परीक्षा में हूबहू पूछे गए थे, जो पेपर लीक के पुख्ता सबूत पेश करते हैं।

राजनीति

पीएम मोदी,अमित शाह भी समारोह में हुए शामिल

असम में 4 विधायकों ने मंत्री और हिमंत ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

गुवाहाटी। असम की राजनीति में आज एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया जब भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने लगातार दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। गुवाहाटी के खानापारा स्थित वेटरनरी कॉलेज मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने सुबह 11:40 बजे सरमा को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री

अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित देश के कई दिग्गज नेता कार्यक्रम में मौजूद रहे।

डॉ. सरमा ने इस शपथ ग्रहण के साथ ही एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वह असम के इतिहास में कांग्रेस के अलावा किसी अन्य दल के पहले ऐसे मुख्यमंत्री बन गए हैं, जिन्होंने लगातार दूसरी बार इस पद की जिम्मेदारी संभाली है। असम में यह भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की लगातार तीसरी सरकार है। गौरतलब है कि एनडीए ने पहली बार 2016 में सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्व में सत्ता हासिल की थी, जिसके बाद 2021 में हिमंत बिस्वा सरमा को मुख्यमंत्री बनाया गया था और अब 2026 में उन्होंने पुनः इस पद पर वापसी की है।

मुख्यमंत्री के साथ चार अन्य वरिष्ठ विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली, जिनमें रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, चरण बोरो और अजंता नेओग शामिल हैं। यह नई कैबिनेट राज्य के विभिन्न सहयोगी दलों और क्षेत्रीय समीकरणों का प्रतिनिधित्व करती है। शपथ ग्रहण के दौरान हिमंत बिस्वा सरमा का पूरा परिवार भी वहां मौजूद रहा।

नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 14 में सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य का हुआ भूमि पूजन

विष्णु प्रसाद राठौर, जिला संवाददाता
दैनिक इंटरनल न्यूज़

भैरूंदा। नगर के सर्वांगीण विकास और जनसुविधाओं के विस्तार की कड़ी में आज नगर परिषद उपाध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा रितेश मकवाना के वार्ड क्रमांक 14 में नवीन सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और नगर परिषद के जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण नवनियुक्त पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के निगम अध्यक्ष श्री रवि मालवीय जी, नगर परिषद अध्यक्ष श्री मारुति शिशिर जी एवं मंडल अध्यक्ष श्री आशीष शर्मा जी रहे, जिनके नेतृत्व में विकास कार्यों की इस नई आधारशिला को रखा गया।

वार्ड के विकास हेतु उपाध्यक्ष महोदया का संकल्प

भूमि पूजन के दौरान अतिथियों ने वार्ड में हो रहे कार्यों की सराहना की। उपाध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा रितेश मकवाना एवं उपाध्यक्ष प्रतिनिधि श्री रितेश मकवाना ने बताया कि वार्डवासियों की सुविधा के लिए गुणवत्तापूर्ण सीसी रोड और व्यवस्थित नाली निर्माण उनकी प्राथमिकता है। नगर परिषद अध्यक्ष श्री मारुति शिशिर जी ने कहा कि परिषद का लक्ष्य नगर के प्रत्येक वार्ड को बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित करना है, जिससे रहवासियों को आवागमन में सुगमता हो और जलभराव जैसी समस्याओं का स्थाई समाधान मिल सके।

भाजपा परिवार और जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति

इस गौरवमयी अवसर पर जिला महामंत्री श्री जितेंद्र गोड़, जिला उपाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश पटेल, वरिष्ठ नेता श्री चंद्रकांत खंडेलवाल, किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजेश पवार, मंडल महामंत्री श्री कपिल खंडेलवाल, जिला महामंत्री श्री अमित मीणा, मंडल मंत्री श्री तरुण जी, श्री रवि जी एवं युवा मोर्चा के नगर उपाध्यक्ष पीयूष तिवारी व योगी जैन उपस्थित रहे। साथ ही भारतीय जनता पार्टी परिवार के पार्षद साथी मेहरबान सिंह, महेंद्र जाट, श्रीमती नीता अग्रवाल, मातृशक्ति की ओर से श्रीमती रचना भारी, जिला मंत्री अलका चौहान, श्रीमती अनीता भावी, श्रीमती रानी पारस वर्मा सहित वार्ड के गणमान्य नागरिक और भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इंदिरा ज्योति संकल्प यात्रा का नर्मदापुरम में भव्य स्वागत, सेठानी घाट पर हुआ समापन

कांग्रेस नेताओं ने इंदिरा गांधी के योगदान को बताया प्रेरणास्रोत, शहरभर में जगह-जगह हुआ आत्मीय अभिनंदन

नर्मदापुरम। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की स्मृति एवं उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से निकाली जा रही इंदिरा ज्योति संकल्प यात्रा का सोमवार को नर्मदापुरम शहर में भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। यात्रा के आगमन पर शहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नागरिकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत होटल वाटिका में आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता से हुई, जहां वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने यात्रा के उद्देश्य, उसके संदेश और इंदिरा गांधी के राष्ट्रनिर्माण में योगदान पर विस्तार से चर्चा की।

इसके पश्चात यात्रा रामजी बाबा समाधि स्थल से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों और विभिन्न चौक-चौराहों से गुजरते हुए मां नर्मदा के पावन सेठानी घाट पहुंची, जहां यात्रा का समापन हुआ। पूरे मार्ग में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों द्वारा यात्रा का पुष्पवर्षा और नारों के साथ जोरदार स्वागत किया गया। समापन अवसर पर आयोजित परिचर्चा में प्रसिद्ध लेखक एवं विचारक भास्कर राव रोकड़े ने कहा कि इंदिरा गांधी का व्यक्तित्व अद्भुत नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी इंदिरा गांधी ने देशहित में कई साहसिक निर्णय लेकर भारत को विश्व पटल पर मजबूत पहचान दिलाई। मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि इंदिरा गांधी ने देश की एकता, अखंडता और गरीबों के उत्थान के लिए जो कार्य किए, वे आज भी प्रासंगिक हैं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय ने कहा कि यह यात्रा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को देशभक्ति, संघर्ष और समर्पण का संदेश देने का अभियान है। पूर्व विधायक गिरजाशंकर शर्मा, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष सत्येंद्र फौजदार तथा यात्रा प्रभारी गोपाल शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी के आदर्श आज भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। नेताओं ने कहा कि देश के विकास, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष अनोखीलाल राजोरिया, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश बाथरे, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राधेश्याम पटेल, धर्मेंद्र तिवारी, अजय सैनी, विजय बाबू चौधरी, हेमू कश्यप, राकेश शर्मा, सूरज तिवारी, कुसुम तोमर, शीला यादव, विजय पटेल, संतोष तोमर, गुलाम हैदर, राजेंद्र धोरे, शेख रमजान, अनिल रैकवार, प्रमोद कलोसिया, सोनू बकोरिया, संतोष बामने, अर्जुन कुछबंदिया और मयंक कलोसिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस नेता सूरज तिवारी ने किया। अंत में जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कार्यक्रम की जानकारी दी।

तत्कालीन एसपी समेत 4 पुलिसकर्मियों पर डकैती का केस ग्वालियर कोर्ट का आदेश

ग्वालियर। ग्वालियर की विशेष सत्र अदालत ने तत्कालीन पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश चंदेल, तत्कालीन थाटीपुर थाना प्रभारी सुरेंद्र नाथ सिंह, सब इंस्पेक्टर अजय सिंह और हवलदार संतोष वर्मा के खिलाफ डकैती, लूट और साजिश रचने का मामला दर्ज करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने सभी आरोपियों को 22 जून 2026 को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए समन जारी किया है। मामला साल 2024 का है। शिकायतकर्ता अनूप राणा ने कोर्ट में आरोप लगाया था कि पुलिसकर्मियों ने उसके परिवार से करीब 30 लाख रुपए की अवैध वसूली की। कोर्ट में यह केस पिछले दो साल से सुनवाई में था, जिस पर सोमवार को आदेश सुनाया गया। शिकायतकर्ता पक्ष के अधिवक्ता अशोक प्रजापति ने मामले की पुष्टि की है।

शिकायत की तो उलटा जेल भेज दिया

शिकायतकर्ता पक्ष के मुताबिक, अनूप राणा के भाई पर थाटीपुर थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज था, जिसमें फरियादी से समझौता हो चुका था। आरोप है कि इसके बावजूद पुलिस ने पहले 5 लाख रुपए लिए और बाद में और पैसों की मांग करने लगी। कोर्ट में दी गई दलील के अनुसार, तत्कालीन थाना प्रभारी सुरेंद्र नाथ सिंह के इशारे पर हवलदार संतोष वर्मा ने अनूप राणा के घर से 9.50 लाख रुपए और मामले से जुड़ी एक महिला आरोपी के घर से 15 लाख रुपए लिए।

एसपी से की थी लिखित शिकायत

अनूप राणा ने जब तत्कालीन एसपी राजेश चंदेल से इसकी लिखित शिकायत की, तो कार्रवाई करने के बजाय मामला दोबारा थाटीपुर थाने भेज दिया गया। आरोप है कि इसके बाद पुलिस ने अनूप राणा को ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके बाद शिकायतकर्ता ने साल 2024 में अदालत का दरवाजा खटखटाया।

फुटेज डिलीट होने पर कोर्ट सख्त

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने थाटीपुर थाने के फुटेज मांगे थे। इस पर पुलिस की ओर से कहा गया कि 3 जनवरी 2024 से पहले के फुटेज डिलीट हो चुके हैं। कोर्ट ने इस जवाब पर सख्त नाराजगी जताई। मामले में रेडियो पुलिस अधीक्षक की जांच का भी जिक्र सामने आया, जिसमें थाने के स्टाफ को पहले ही कारण बताओ नोटिस जारी किए जा चुके थे। अदालत ने इसे भी रिकॉर्ड पर लिया।

नौकरी के नाम पर ठगी केस से शुरू हुआ विवाद

पुलिस का दावा है कि यह मामला नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह की जांच से जुड़ा है और अनूप राणा व उसका भाई उसी रैकेट का हिस्सा थे। वहीं, अनूप राणा का कहना है कि वह खुद ठगी का शिकार हुआ था और अपने भाई की मदद के लिए थाने पहुंचा था, लेकिन पुलिस ने उसे ही आरोपी बना दिया। आरोप है कि पुलिस ने आरोपियों को बचाते हुए उससे और उसके भाई से लाखों रुपए वसूले।

कोर्ट केस जीतने के बाद भी एरियर को तरसे शिक्षक, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सिरोंज। अदालती प्रकरणों का निराकरण हुए लंबा समय बीत चुका है, लेकिन विकासखंड के दो दर्जन से अधिक शिक्षक आज भी अपने हक के एरियर भुगतान के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। बार-बार गुहार लगाने के बाद भी सुनवाई न होने से आक्रोशित शिक्षकों ने आज कलेक्टर के नाम एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा को ज्ञापन सौंपकर जल्द भुगतान की मांग की है।

समस्या- शिविरों से लेकर दफ्तरों तक सिर्फ आश्वासन

पीड़ित शिक्षकों ने बताया कि कोर्ट से प्रकरण सुलझने के बाद उन्हें उम्मीद थी कि एरियर का भुगतान शीघ्र हो जाएगा। इसके लिए उन्होंने शिक्षक समस्या निवारण शिविरों में कई बार आवेदन दिए। बीईओ कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर मांग रखी।

इन तमाम प्रयासों के बावजूद, प्रशासनिक सुस्ती के कारण फाइलें आगे नहीं बढ़ सकीं और शिक्षक आर्थिक लाभ से वंचित रह गए।

कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार- आज एकजुट होकर शिक्षकों ने एसडीएम एच एस विश्वकर्मा को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी व्यथा सुनाई। शिक्षकों का कहना है कि अब उन्हें जिला कलेक्टर से ही अंतिम उम्मीद है।

उन्हें विश्वास है कि मामला कलेक्टर के संज्ञान में आने के बाद विभाग हरकत में आएगा और उनके लंबित एरियर का भुगतान सुनिश्चित हो सकेगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान ये रहे उपस्थित- ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से सत्य प्रकाश आर्य, कैलाश बाबू कुशवाह, उदयचंद यादव, दौलत पंथी, वेदप्रकाश विश्वकर्मा, मुईन उद्दीन, ब्रजेश पंथी, अभिषेक नेमा, नरेंद्र सिंह एवं अन्य पीड़ित शिक्षक उपस्थित रहे।

फिल्म एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया त्रिपुंड लगाकर महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुई

उज्जैन। साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया मंगलवार तड़के श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचीं। उन्होंने भगवान महाकाल की भस्म आरती में शामिल होकर बाबा का आशीर्वाद लिया। तड़के करीब 3 बजे मंदिर पहुंचीं तमन्ना भाटिया नंदी हाल में बैठकर भक्ति भाव से भस्म आरती में शामिल हुईं। इस दौरान वे मस्तक पर चंदन लगाए पूरी तरह बाबा महाकाल की भक्ति में लीन नजर आईं। करीब दो घंटे तक उन्होंने भस्म आरती का दिव्य नजारा देखा। आरती के बाद अभिनेत्री ने नंदीजी का पूजन-अभिषेक किया और नंदी के कान में अपनी मनोकामना कही।

इसके बाद चांदी द्वार से भगवान महाकाल को पुजारी के हाथों जल अर्पित कर आशीर्वाद लिया। भस्म आरती के बाद तमन्ना ने कहा, आज भगवान ने मुझे बुलाया था। बाबा महाकाल के बुलावे पर ही भक्त यहां आते हैं। यहां आकर बहुत अच्छा लगा। आज जो आरती देखने को मिली, उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। आरती में शामिल होकर बहुत ऊर्जा मिलती है। सब लोग एक साथ बैठकर जिस तरह आरती देखते हैं, ऐसा दृश्य कहीं और देखने को नहीं मिलता। मंदिर परिसर में अभिनेत्री की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह नजर आया। भस्म आरती के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी विशेष रूप से बढ़ाई गई थी।

राहुल गांधी मानहानि केस, आज मप्र हाईकोर्ट में अंतिम सुनवाई

पनामा पेपर मामले में लिया था शिवराज के बेटे कार्तिकेय का नाम

जबलपुर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ भोपाल की विशेष अदालत में चल रहे मानहानि प्रकरण को मप्र हाईकोर्ट की जबलपुर खंडपीठ में चुनौती दी गई है। मामले में आज जस्टिस पीके अग्रवाल की कोर्ट में अंतिम सुनवाई होगी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनी जा चुकी हैं, जिसके बाद हाईकोर्ट ने 12 मई की तारीख तय की है।

मामला केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान के द्वारा दायर मानहानि परिवाद से जुड़ा है। एमपी-एमएलए कोर्ट भोपाल के विशेष मजिस्ट्रेट ने राहुल गांधी को समन जारी किया था। इसी समन और परिवाद को निरस्त कराने के लिए राहुल गांधी ने बीते दिनों मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा और अजय गुप्ता ने पक्ष रखा था। कोर्ट को बताया गया कि परिवाद पूरी तरह निराधार हैं और लगाए गए आरोप तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। कार्तिकेय सिंह चौहान ने शिकायत में कहा था कि वर्ष 2018 में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए राहुल गांधी ने झाबुआ की चुनावी सभा में भाषण दिया था। इस दौरान उन्होंने कथित तौर पर पनामा पेपर्स लीक का जिक्र करते हुए शिवराज सिंह चौहान और कार्तिकेय का नाम लिया था। हालांकि इसके दूसरे दिन ही राहुल गांधी ने अपने बयान पर कहा था कि वे कन्फ्यूज हो गए थे। दरअसल वे छत्तीसगढ़ के सीएम रमन सिंह के बेटे का नाम लेना चाह रहे थे, लेकिन कार्तिकेय का नाम ले लिया।

अंधेरे में डूबा चरक भवन अस्पताल मोबाइल टॉर्च की रोशनी में उपचार

जनरेटर होने के बावजूद शुरू नहीं हो सका बैकअप गर्मी और उमस से मरीज बेहाल

उज्जैन। संभाग के सबसे बड़े शासकीय चरक भवन अस्पताल में सोमवार शाम करीब 40 मिनट तक ब्लैक आउट की स्थिति बनी रही। अचानक बिजली गुल होने से अस्पताल के वार्ड, गलियारे और विभिन्न विभाग अंधेरे में डूब गए। इस दौरान भर्ती मरीजों, उनके परिजनों और उपचार के लिए पहुंचे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बिजली बंद होते ही अस्पताल में अफरा-तफरी जैसे हालात बन गए। मरीजों के परिजन मोबाइल की टॉर्च जलाकर अपने मरीजों की देखभाल करते नजर आए। कई वार्डों में पंखे और कूलिंग व्यवस्था बंद हो जाने से मरीज गर्मी और उमस से परेशान होते रहे। सबसे ज्यादा दिक्कत गंभीर मरीजों और बुजुर्गों को हुई, जिन्हें लंबे समय तक असुविधा झेलनी पड़ी। हैरानी की बात यह रही कि प्रदेश सरकार द्वारा संभाग के सबसे बड़े अस्पताल के रूप में संचालित किए जा रहे छह मंजिला चरक भवन में जनरेटर और बैकअप व्यवस्था उपलब्ध होने के बावजूद समय पर बिजली सप्लाई शुरू नहीं हो सकी। करीब 40 मिनट तक अस्पताल अंधेरे में डूबा रहा, जिससे अस्पताल प्रबंधन की तैयारियों और व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए हैं।

परेशान होते रहे मरीज – मरीजों के परिजनों का आरोप है कि घटना के दौरान अस्पताल में कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर मौजूद नहीं था। लोगों ने अस्पताल प्रबंधन के प्रति नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि आपातकालीन स्थिति में भी व्यवस्थाएं समय पर संचालित नहीं हो पा रही हैं, तो मरीजों की सुरक्षा भगवान भरोसे है।

भोपाल से श्रीनगर, चेन्नई-केरल के लिए उड़ेंगे प्लेन, एयरलाइंस ऑपरेटरों से प्रपोजल मांगें

भोपाल। अगले कुछ महीनों में भोपाल एयरपोर्ट से श्रीनगर, चेन्नई, केरल, देहरादून, कोलकाता, जयपुर, चंडीगढ़-जम्मू समेत अन्य बड़े शहरों के लिए प्लेन उड़ सकते हैं। सांसद आलोक शर्मा की मीटिंग के बाद सरकार ने एयरलाइंस ऑपरेटरों से प्रपोजल मांगें हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर इसकी जानकारी दी है। जिसमें आरएफपी यानी रिक्वेस्ट फॉर प्रापोजल मांगे गए हैं। कहा गया है कि मध्यप्रदेश शासन ने आरएफपी जारी कर शेड्यूल एयरलाइन ऑपरेटरों को भोपाल एवं मध्यप्रदेश के अन्य हवाई अड्डों से प्रमुख घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ान सेवाएं प्रारंभ करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

इन शहरों के लिए उड़ानें हो सकती हैं शुरू भोपाल विमानतल सलाहकार समिति के सदस्य मनोज मीक ने बताया राजा भोज एयरपोर्ट सलाहकार समिति की बैठकों में यह सुझाव मिले थे कि भोपाल से चेन्नई, कोलकाता, गोवा, जयपुर, चंडीगढ़, जम्मू, श्रीनगर, देहरादून, केरल और अन्य प्रमुख शहरों के लिए बेहतर उड़ान सेवाएं जरूरी हैं। अब एमपी सरकार ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए वित्तीय प्रोत्साहन देने की पहल की है। इससे एयरलाइंस को भोपाल जैसे संभावनाशील केंद्र से जुड़ने का ठोस आधार मिलेगा। राजधानी भोपाल मध्य भारत का स्वाभाविक कनेक्टिविटी सेंटर है। बेहतर उड़ान सेवाएं पर्यटन, निवेश, उद्योग, शिक्षा, मेडिकल यात्रा, रियल एस्टेट, लॉजिस्टिक्स और नॉलेज एंड एआई सिटी की संभावनाओं को गति देंगी।

ये सुझाव भी आए मीटिंग में- हैदराबाद होते हुए चेन्नई, कोलकाता होते हुए बागडोगरा, लखनऊ होते हुए देहरादून, जयपुर होते हुए जम्मू और वाराणसी होते हुए अयोध्या जैसे व्यवहारिक रूट सुझाए गए थे। वहीं, राजा भोज एयरपोर्ट को हेल्दी एयरपोर्ट बनाने के लिए फ्रूट्स बार, पोहा स्टॉल और स्थानीय स्वाद को बढ़ावा देने का सुझाव मिला था। आगमन क्षेत्र के बाहर शौचालयों की स्वच्छता पर ध्यान दिलाया। एविएशन फ्यूल में राहत, एयरपोर्ट से शहर तक एसी बस सेवा, स्थानीय इतिहास, व्यंजन और पारंपरिक कारीगरी के प्रदर्शन के सुझाव रखे थे। कई विषयों पर पहले से सुझाव भी हुआ था।

सांसद भी ले चुके मीटिंग

कुछ दिन पहले एयरपोर्ट पर एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी की बैठक हुई थी। इसमें सांसद एवं कमेटी अध्यक्ष आलोक शर्मा की मौजूदगी में सुविधाओं, यात्री अनुभव, एयर-कनेक्टिविटी, स्वच्छता, ट्रैफिक व्यवस्था और भविष्य की आवश्यकताओं पर विस्तृत चर्चा की थी। इससे पहले कमेटी के सदस्य मनोज मीक ने ऑनलाइन सुझाव मांगे थे। जिनमें हरीश मूलचंदानी, रजत सिंह, संदीप शर्मा, समीर सबरवाल, संजीव ठाकुर, अरुणेश्वर सिंहदेव, अलका कुमार, राजेश बहुगुणा, सुनील मालवीय, अमित दाधीच आदि ने अपने सुझाव दिए थे। इसके बाद मीक ने बैठक में यह सुझाव रखें। इनमें एयरपोर्ट पर बड़े बैकलिट डिस्प्ले, बेहतर पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम, रिक्लाइनर और चेन्नई के लिए नॉन-स्टॉप फ्लाइट का सुझाव भी शामिल हैं। साथ ही पार्किंग व्यवस्था, वार्षिक फायर सेफ्टी ऑडिट और आपात स्थितियों में स्टाफ ट्रेनिंग पर जोर दिया। कोलकाता, चंडीगढ़, गोवा, श्रीनगर, जम्मू, जयपुर, उदयपुर और चेन्नई के लिए नियमित उड़ानों की मांग रखी। फ्लाइट संख्या, शहरों की कनेक्टिविटी, टर्मिनल विस्तार और मेट्रो कनेक्टिविटी का सुझाव दिया गया था।

विकास की ओर बढ़ते कदमः वार्ड क्रमांक 14 में 12.78 लाख की लागत से ष्टष्ट रोड एवं नाली निर्माण का भूमि पूजन

भैरूंदा। नगर के सर्वांगीण विकास और जनसुविधाओं के विस्तार की कड़ी में आज वार्ड क्रमांक 14 में नवीन सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। इस निर्माण कार्य की कुल लागत 12 लाख 78 हजार रुपये है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और नगर परिषद के जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण नवनियुक्त पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के निगम अध्यक्ष श्री रवि मालवीय जी, नगर परिषद अध्यक्ष श्री मारुति शिशिर जी एवं मंडल अध्यक्ष श्री आशीष शर्मा जी रहे, जिनके नेतृत्व में विकास कार्यों की इस नई आधारशिला को रखा गया।

विकास कार्यों से मिलेगी जलभराव से मुक्ति : भूमि पूजन के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष श्री मारुति शिशिर जी ने कहा कि परिषद का लक्ष्य नगर के प्रत्येक वार्ड को बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित करना है। वार्ड 14 में इस निर्माण कार्य के पूर्ण होने से रहवासियों को आवागमन में सुगमता होगी और व्यवस्थित नाली निर्माण से जलभराव की समस्या का स्थाई समाधान होगा।

भाजपा परिवार की रही गौरवमयी उपस्थिति : इस महत्वपूर्ण अवसर पर निगम अध्यक्ष श्री रवि मालवीय जी एवं नगर परिषद अध्यक्ष श्री मारुति शिशिर जी, उपाध्यक्ष महोदया श्रीमती प्रतिभा रितेश मकवाना जी, मंडल अध्यक्ष श्री आशीष शर्मा जी के साथ जिला महामंत्री श्री जितेंद्र गोड़, जिला उपाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश पटेल, वरिष्ठ नेता श्री चंद्रकांत खंडेलवाल, किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजेश पवार, मंडल महामंत्री श्री कपिल खंडेलवाल, जिला महामंत्री श्री अमित मीणा, मंडल मंत्री श्री तरुण जी, श्री रवि जी एवं युवा मोर्चा के नगर उपाध्यक्ष पीयूष तिवारी, योगी जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी परिवार के साथी पार्षद मेहरबान सिंह, महेंद्र जाट सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। साथ ही मातृशक्ति की ओर से श्रीमती रचना भारी, जिला मंत्री अलका चौहान, श्रीमती अनीता भावी, श्रीमती रानी पारस वर्मा एवं पार्षद श्रीमती नीता अग्रवाल सहित वार्ड के गणमान्य नागरिक और परिवारजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी उपस्थित जनसमुदाय ने विकास कार्यों के प्रारंभ होने पर हर्ष व्यक्त किया और नगर परिषद की कार्यप्रणाली की सराहना की।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई

नवागत पुलिस अधीक्षक ने सुनी आमजन की समस्याएं, प्राथमिकता से निराकरण के दिए निर्देश

विष्णु प्रसाद राठौर जिला संवाददाता, दैनिक इंटरनल न्यूज़ भोपाल क्षेत्र जिला सीहोर

भेरुदा आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान है। आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय सीहोर में साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान नवागत पुलिस अधीक्षक सीहोर श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए शिकायतकर्ताओं से सीधा संवाद किया।

जनसुनवाई की मुख्य विशेषताएं

सीधा संवाद– जनसुनवाई के क्रम में प्रत्येक मंगलवार को होने वाली इस जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक ने एक-एक कर सभी आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुना।

शिकायतों का विवरण: आज की जनसुनवाई में कुल 24 शिकायतकर्ता उपस्थित हुए, जिन्होंने अपनी विभिन्न समस्याओं और शिकायतों से पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया।

त्वरित कार्यवाही: जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस अधीक्षक ने प्राथमिकता से कार्यवाही हेतु संबंधित थाना प्रभारियों और राजपत्रित अधिकारियों को निर्देश दिए।

जनसुनवाई के अवसर पर नगर पुलिस अधीक्षक सीहोर डॉ. अभिनंदना शर्मा भी उपस्थित रहीं।

कचरा शुल्क और संपत्ति कर वृद्धि पर कांग्रेस का हमला, नगर पालिका से मांगी पारदर्शिता

'जनता पर आर्थिक बोझ डालने से पहले व्यवस्था स्पष्ट करे नपा, निजी एजेंसी को ठेका देने पर उठे सवाल'

इटारसी। नगर पालिका द्वारा शहर के कचरा संग्रहण कार्य को निजी संस्था के माध्यम से संचालित किए जाने की चर्चाओं के बीच शहर में भ्रम और असमंजस की स्थिति बन गई है। अलग-अलग माध्यमों से कचरा कलेक्शन शुल्क और संपत्ति कर को लेकर सामने आ रही भिन्न-भिन्न जानकारियों ने आम नागरिकों की चिंता बढ़ा दी है। इसी मुद्दे को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी नर्मदापुरम के अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डु पाण्डेय ने नगर पालिका प्रशासन पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले में पारदर्शिता और स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि शहर में यह चर्चा जोरों पर है कि अब प्रत्येक संपत्ति पर प्रतिमाह 125 रुपये का कचरा संग्रहण शुल्क लगाया जाएगा और समय पर भुगतान नहीं करने पर अतिरिक्त अधिभार भी वसूला जाएगा। वहीं दूसरी ओर कुछ जानकारियों में यह कहा जा रहा है कि उक्त राशि का भुगतान नगर पालिका स्वयं ठेकेदार एजेंसी को करेगी और नागरिकों पर किसी प्रकार का अतिरिक्त भार नहीं डाला जाएगा। इन विरोधाभासी सूचनाओं के कारण शहरवासियों में भ्रम की स्थिति निर्मित हो गई है।

जिलाध्यक्ष पाण्डेय ने कहा कि यदि नगर पालिका वास्तव में नई व्यवस्था लागू कर रही है, तो सबसे पहले नागरिकों को इसकी पूरी जानकारी सार्वजनिक रूप से दी जानी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि वर्तमान में जमीनी स्तर पर कोई बड़ा बदलाव दिखाई नहीं दे रहा है। शहर में वही पुरानी कचरा गाड़ियां संचालित हो रही हैं, वही अनाउंसमेंट व्यवस्था है और कई वार्डों में तो गाड़ियों के साथ सहायक कर्मचारी भी नहीं दिखाई दे रहे हैं। केवल मैपिंग और सर्वे के नाम पर गतिविधियां शुरू कर दी गई हैं, जिससे लोगों में आशंका बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि आखिर ऐसी कौन-सी मजबूरी आ गई कि नगर पालिका को वर्षों से संचालित कचरा संग्रहण व्यवस्था

निजी एजेंसी को सौंपनी पड़ी। यदि संपत्ति कर के आधार पर शुल्क निर्धारित किया जाना है, तो नगर पालिका के पास पहले से उपलब्ध रिकॉर्ड और डाटा का उपयोग किया जा सकता था। ऐसे में निजी एजेंसी द्वारा अलग से सर्वे और मैपिंग कराने की आवश्यकता समझ से परे है।

कांग्रेस ने यह भी सवाल उठाया कि प्रति संपत्ति की स्पष्ट परिभाषा क्या होगी। क्या एक ही भवन में रहने वाले अलग-अलग परिवारों से अलग शुल्क लिया जाएगा? क्या यह शुल्क सभी नागरिकों के लिए अनिवार्य होगा या सेवा लेने अथवा न लेने का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा? इन बिंदुओं पर नगर पालिका को तत्काल स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

पाण्डेय ने कहा कि वर्तमान में जहां नागरिक लगभग 600 रुपये वार्षिक शुल्क के रूप में भुगतान कर रहे हैं, वहीं नई व्यवस्था के तहत इसे बढ़ाकर लगभग 1500 रुपये वार्षिक तक करने की चर्चा है। बिना किसी ठोस सुधार और आधुनिक व्यवस्था लागू किए इतनी बड़ी वृद्धि जनता पर सीधा आर्थिक बोझ डालने जैसा है। उन्होंने कहा कि पहले सुविधाओं में सुधार होना चाहिए, उसके बाद शुल्क वृद्धि पर विचार किया जाना चाहिए।

जिला कांग्रेस कमेटी ने मांग की है कि जब तक संबंधित एजेंसी अपनी पूरी व्यवस्था — स्वयं के वाहन, पर्याप्त कर्मचारी, शुल्क संग्रहण प्रणाली, तकनीकी मैपिंग और नागरिकों को स्पष्ट जानकारी देने की प्रक्रिया — पूरी तरह तैयार नहीं कर लेती, तब तक नई व्यवस्था लागू नहीं की जानी चाहिए। साथ ही नगर पालिका और निजी एजेंसी के बीच हुए अनुबंध को सार्वजनिक किया जाए ताकि पार्षदों और आम नागरिकों को वास्तविक स्थिति की जानकारी मिल सके।

इसी दौरान कांग्रेस नेताओं ने संपत्ति कर में दोगुनी वसूली को लेकर भी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में कर जमा नहीं करने पर दोगुना कर वसूली का प्रावधान लागू करना आम नागरिकों के साथ अन्याय है। अधिकांश लोगों को इस नियम की पर्याप्त जानकारी तक नहीं है और अचानक पुराने बकायों पर अतिरिक्त आर्थिक भार डालना जनता का शोषण माना जाएगा।

कांग्रेस ने मांग की कि यदि इस प्रकार का नियम लागू करना आवश्यक है, तो इसे आगामी वित्तीय वर्ष 2027-28 से प्रभावी किया जाए, ताकि नागरिकों को पहले से सूचना और तैयारी का अवसर मिल सके।

नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कन्हैया गोस्वामी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता पर थोपे जा रहे अतिरिक्त आर्थिक बोझ का पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि नगर पालिका ने स्पष्टता नहीं दिखाई तो कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल जल्द ही कलेक्टर से मुलाकात कर शिकायत दर्ज कराएगा। आवश्यकता पड़ने पर लोकायुक्त, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) और अन्य जांच एजेंसियों के समक्ष भी मामला उठाया जाएगा।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि नगर की जनता को बेहतर सफाई व्यवस्था चाहिए, न कि बिना तैयारी और बिना पारदर्शिता के नए कर और शुल्क का बोझ। यह जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

वरिष्ठ पत्रकार हाकम सिंह गुर्जर का जन्मदिन मनाया

महात्मा गांधी कुष्ठ आश्रम में केक काटकर कराया भोजन, जरूरतमंदों को भेंट किए पात्र

भोपाल। नर्मदापुरम जिले के लाल एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी, मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के प्रखर पत्रकार हाकम सिंह गुर्जर ने अपना जन्मदिन सादगी और सेवा भाव के साथ मनाया। उन्होंने भोपाल के महात्मा गांधी कुष्ठ आश्रम में कुष्ठ रोगियों के बीच पहुंचकर उन्हें पात्र भेंट किए, केक काटा तथा भोजन कराकर खुशियां साझा कीं।

इस अवसर पर आश्रम में आत्मीयता और संवेदनशीलता का माहौल देखने को मिला। हाकम सिंह गुर्जर ने कहा कि जन्मदिन जैसे खास अवसर जरूरतमंदों के साथ मनाने से जीवन को वास्तविक खुशी मिलती है। कार्यक्रम में उनके परम स्नेही साथी अनुज दीनानाथ के मित्र एवं पार्षद प्रतिनिधि जगदीश यादव, कन्हैया यादव तथा दीपेश यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने कुष्ठ रोगियों के साथ समय बिताकर उन्हें अपनापन और सम्मान का एहसास कराया।

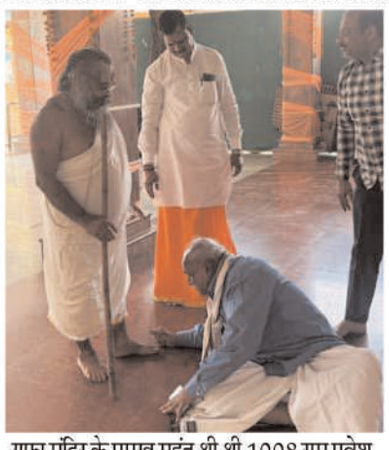

गुफा मंदिर के प्रमुख महंत श्री श्री 1008 राम प्रवेश दास जी महाराज एवं पंडित लेखराज शर्मा का आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ।

भोपाल प्रेस क्लब ने हर्षोल्लास से मनाया जन्मदिन

भोपाल प्रेस क्लब में वरिष्ठ पत्रकार हाकम सिंह गुर्जर का जन्मदिन हर्षोल्लास और आत्मीय माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पत्रकार साथियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार

अरुण दीक्षित, सतीश सक्सेना, नासिर हुसैन, अलीम बज्मी, देशदीप सक्सेना, संजय सक्सेना, सलमान रावी, अभिनव गोयल, गोपाल जैन, प्रकाश सक्सेना, डी.एन. पांडे, नासिर अली, ओ.पी. श्रीवास्तव, रूपेश गुप्ता, विनोद तोमर एवं विजय शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। इसके अलावा लखन सिंह मीणा, बलवीर यादव, जगदीश यादव, भाजपा किसान मोर्चा के महामंत्री कप्तान यादव, तनवीर, अनवर मेव, डॉ. योगेंद्र मुखरेया एवं पिंटू तिवारी सहित अनेक पत्रकार साथियों और नेताओं ने शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

योग निद्रा - शरीर को विश्राम, मन को शांति और आत्मा को ऊर्जा देने वाली दिव्य साधना : योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। स्वर्ण जयंती पार्क के शांत प्राकृतिक वातावरण में पानी के कुंड के समीप योग गुरु महेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में नियमित योग साधकों द्वारा किया गया योग निद्रा अभ्यास - मन, शरीर और चेतना को गहन विश्राम प्रदान करने वाला प्रेरणादायक दृश्य है। योग निद्रा केवल लेटने का अभ्यास नहीं, बल्कि जाग्रत और निद्रा के मध्य की सजग अवस्था है।

यह अभ्यास मानसिक तनाव, चिंता और थकान को दूर करने में सहायक होता है। योग निद्रा से शरीर की प्रत्येक मांसपेशी को गहरा आराम मिलता है। नियमित अभ्यास से मन शांत, स्थिर और सकारात्मक बनता है। यह एकाग्रता, स्मरण शक्ति और आत्मविश्वास को बढ़ाने में लाभकारी है। योग निद्रा अनिद्रा, बेचैनी और मानसिक अशांति को कम करने में सहायक मानी जाती है। प्राकृतिक वातावरण में सामूहिक योग साधना करने से सकारात्मक ऊर्जा और आत्मिक आनंद की अनुभूति बढ़ती है। योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि आज के भागदौड़ भरे जीवन में प्रतिदिन कुछ समय योग निद्रा का अभ्यास मानव को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक संतुलन प्रदान करता है। योग निद्रा हमें स्वयं से जोड़ने, भीतर की शांति को अनुभव करने और जीवन में नई ऊर्जा भरने का सरल माध्यम है। जब शरीर शांत होता है, मन स्थिर होता है और श्वास संतुलित होती है, तभी भीतर का वास्तविक आनंद प्रकट होता है।

गुफामंदिर में सप्तदिवसीय श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ को लेकर सौंपी जिम्मेदारी

संत हिरदाराम नगर। लालघाटी स्थित गुफा मंदिर में आद्यवाराहपीठ वृंदावन, गुफामंदिर के महंत श्री श्री 1008 महंत रामप्रवेशदास महाराज के सानिध्य में 18 मई से 24 मई में होने वाले सप्तदिवसीय पंचकुण्डात्मक श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ, श्रीयंत्रार्चन एवं वृंदावन की प्रसिद्ध रासलीला मंचन का आयोजन होने जा रहा है। इसको लेकर मंदिर परिसर में विभिन्न तैयारी को लेकर शहर के गणमान्य नागरिकों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें महायज्ञ में होने वाले प्रत्येक बिन्दु पर विचार विमर्श किया गया एवं लोगो के सुझाव भी लिए गए। गुफा मंदिर जगतगुरु श्री श्री 1008 राम प्रवेश दास महाराज ने सभी लोगों को व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी दी। महाराज ने बताया कि 17 मई को शोभा यात्रा निकाली जाएगी जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे।

किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, पारदर्शिता के साथ हो उपार्जन कार्य : कांकर

भिण्ड। मध्यप्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त) श्री संजीव कांकर ने आज भिण्ड जिले के मौ एवं मेहगांव क्षेत्र के विभिन्न उपार्जन केंद्रों तथा वेयरहाउस का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री कांकर ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार किसान हितों की रक्षा एवं उनकी सुविधाओं के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि किसानों के अन्न का एक-एक दाना पूरी पारदर्शिता, नियम और सम्मान के साथ तौला जाए तथा उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपार्जन केंद्रों पर तौल व्यवस्था, अनाज भंडारण, वेयरहाउस की स्थिति एवं किसानों को उपलब्ध सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

स्वस्थ पौधे, स्वस्थ जीवन

जब पौधे स्वस्थ रहेंगे तभी मानव जीवन, पर्यावरण और पृथ्वी का संतुलन सुरक्षित रहेगा

योग गुरु महेश अग्रवाल

प्रत्येक वर्ष 12 मई को अंतर्राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को पौधों के स्वास्थ्य और उनके संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। पौधे केवल हरियाली ही नहीं देते, बल्कि मानव जीवन, पर्यावरण और पृथ्वी के संतुलन का आधार हैं। स्वस्थ पौधों से हमें शुद्ध वायु, भोजन, औषधियाँ और प्राकृतिक ऊर्जा प्राप्त होती है। यदि पौधे रोगग्रस्त या नष्ट होने लगें तो इसका सीधा प्रभाव मानव स्वास्थ्य, कृषि उत्पादन और पर्यावरण पर पड़ता है। आज प्रदूषण, रासायनिक पदार्थों का अत्यधिक उपयोग और जलवायु परिवर्तन पौधों के लिए बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। भारतीय संस्कृति में वृक्षों और वनस्पतियों को सदैव पूजनीय माना गया है। योग और अध्यात्म भी प्रकृति के साथ संतुलित जीवन

जीने का संदेश देते हैं। वृक्षारोपण, जैविक खेती और पौधों की सुरक्षा केवल पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वस्थ भविष्य की रक्षा भी है। आइए, इस अवसर पर हम सभी अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी देखभाल करने और प्रकृति संरक्षण का संकल्प लें। स्वस्थ पौधे ही स्वस्थ मानव और स्वस्थ पृथ्वी का आधार हैं।

संपादकीय

दिल्ली आग हादसा- 'सेंट्रल लॉक' और बंद निकास का जाल, सुरक्षा इंतजाम ही बने मौत की वजह

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विवेक विहार इलाके में एक रिहाइशी इमारत में आग से नौ लोगों की मौत की घटना को लेकर जो बातें सामने आई हैं, उनसे सुरक्षा प्रबंधों पर ही सवाल खड़े हो गए हैं। इमारत में सेंधमारी से बचाव के लिए लगाई गई 'सेंट्रल लॉक' प्रणाली, लोहे की मोटी ग्रिल और निकास के लिए वैकल्पिक बंदोबस्त न होना जानलेवा साबित हुआ। सुरक्षा के नाम पर की गई इस व्यवस्था ने आग और धुएं से घिरे लोगों के बचाव के रास्ते को ही बंद कर दिया। सवाल है कि बड़े शहरों में बनने वाले आवासीय परिसरों में सुरक्षा इंतजामों की समय-समय पर जांच क्यों नहीं की जाती? जब किसी इमारत में एक खतरे के मद्देनजर कोई सुरक्षात्मक प्रबंध किए जाते हैं, तो दूसरे जोखिमों को नजरअंदाज क्यों कर दिया जाता है! क्या भवन निर्माताओं के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन की यह जिम्मेदारी नहीं है कि नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवासीय परिसरों में सभी जरूरी व्यवस्थाएं की जाएं? गौरतलब है कि रविवार तड़के हुई आग की इस घटना के दौरान इमारत की बिजली आपूर्ति बंद हो जाने से 'सेंट्रल लॉक' प्रणाली ने भी काम करना बंद कर दिया और दरवाजा नहीं खुलने से लोग अंदर ही फंसे रह गए। जब बचाव कार्य शुरू हुआ, तो बंद बालकनी और इमारत में पीछे की ओर लगी लोहे की मोटी ग्रिल की वजह से लोगों को तत्काल बाहर नहीं निकाला जा सका। बाद में ग्रिल को काटकर रास्ता बनाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। यही नहीं, इमारत में आने-जाने के लिए केवल एक ही सीढ़ी थी, आपात स्थिति में निकासी के लिए वैकल्पिक मार्ग की कोई व्यवस्था नहीं थी। हैरत की बात है कि वाहनों और इमारतों में आग की घटना के दौरान 'सेंट्रल लॉक' प्रणाली की वजह से जान जाने की खबरें अक्सर आती रहती हैं, इसके बावजूद सुरक्षा के स्तर पर कहीं कोई गंभीरता नजर नहीं आती है। आवासीय इमारतों में सुरक्षा उपायों की गहन जांच-पड़ताल के बिना ही बिजली-पानी के कनेक्शन दे दिए जाते हैं। सरकार और स्थानीय प्रशासन को चाहिए कि इस तरह की अनियमितता और लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि नागरिकों की सुरक्षा से खिलवाड़ न हो।

राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी वालों के फिरेंगे दिन

-उमेश चतुर्वेदी

पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे आ चुके हैं। शुभेंदु अधिकारी की अगुआई में राज्य में नई सरकार बन चुकी है। ममता बनर्जी की सरकार इतिहास के पन्नों में सिमट गई है। यूं तो हर चुनाव अभियान के साथ तमाम घटनाएं इतिहास में समाती रहती हैं। उनमें से कुछ का प्रभाव बरसों तक रहता है। पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव अभियान में एक घटना ऐसी घटी, जिसने ना सिर्फ पश्चिम बंगाल के वोटरों पर अमिट छाप छोड़ी, बल्कि बांग्ला खान-पान और संस्कृति से उन लोगों को भी परिचित करा दिया, जो उससे अब तक सर्वथा अपरिचित थे। पश्चिम बंगाल ही नहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश, समूचे बिहार, झारखंड और उड़ीसा में झालमुढ़ी खानपान का अभिन्न अंग है। झालमुढ़ी में दो शब्द हैं। पहला शब्द है झाल, जिसका मतलब होता है तीखा..ऐसा तीखापन, जिसका असर सिर्फ जुबान पर ही नहीं महसूस हो, बल्कि जुबान की सिसियाहट के साथ नाक के रास्ते भी हल्की झलन का अहसास है। इस शब्द के मूल में है मुढ़ी, जिसे कहीं मुड़ी तो कहीं मुरमुरा तो कहीं मुर्ही कहा जाता है। इसमें प्याज, टमाटर, नमकीन, हरी मिर्च, सरसों तेल, नमक और भुना जीरा आदि डालकर जो मिश्रण तैयार किया जाता है, उसे झालमुढ़ी या झालमुड़ी कहा जाता है। इसी झालमुढ़ी को झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल के झारग्राम जिले में 19 अप्रैल के दिन चुनाव प्रचार के बीच सड़क पर उतर कर मात्र दस रूपए में खरीदकर जब प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद महिलाओं-बच्चों के साथ मिलकर खाया था। इसके साथ ही झालमुढ़ी इंटरनेट सर्च की दुनिया में पहले नंबर पर पहुंच गई। झालमुढ़ी में कई बार भुने हुए चने भी मिलाए जाते हैं तो कई बार भीगे हुए कच्चे चने तो कई बार उस चने से बनी घुघनी। जिन्हें घुघुनी के बारे में पता नहीं है, उनकी जानकारी के लिए बता दें कि भीगे हुए चने को जीरा, हरी मिर्च के सरसों तेल में छौंक लगाने के बाद सूखा और कई बार प्याज-टमाटर आदि मिलाकर मसालों को साथ भी पकाया जाता है। पश्चिम बंगाल ही क्यों, पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में मुढ़ी को विशेषकर शाम की चाय के वक्त खाया जाता है। इन इलाकों के स्कूलों, कॉलेजों के बाहर, कचहरियों में स्टेशन के सामने झालमुढ़ी के ठेले और खोमचे खूब दिख जाएंगे। विशेषकर बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में मुढ़ी या मुड़ी तैयार की जाती है। इसके लिए पहले धान को उबाला जाता है, फिर उसे सुखाकर जो चावल निकाला जाता है, उसे भूनने के बाद मुढ़ी या मुड़ी का रूप मिलता है। इस तरह से कह सकते हैं कि मुढ़ी या मुड़ी सेला चावल का भुना हुआ रूप है। पश्चिम बंगाल और मिथिलांचल में तो मुढ़ी को पकौड़े के साथ भी खाया जाता है। पश्चिम बंगाल में तो इसे आलूचप के साथ विशेष रूप में पसंद किया जाता है। अब सवाल उठ सकता है कि आलूचप क्या होता है। दरअसल उबले आलू को मसलकर उसमें नमक, मसाले आदि मिलाकर उसकी टिक्की को बनाया जाता है। फिर उसे बेसन में डुबोकर छाना जाता है। इसे ही आलूचप कहा जाता है। वैसे आलूचप पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उड़ीसा में खूब प्रचलित है। विशेषकर शाम की चाय के वक्त। झालमुढ़ी का पश्चिम बंगाल की राजनीति से खास रिश्ता है। राजनीतिक, चुनावी आदि चर्चाओं में चाय के साथ सहज उपलब्ध झालमुढ़ी ही होती है। कई बार सिर्फ मुढ़ी भी खाया जाता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शादी-विवाह मुंडन-जनेऊ के हल्दी और मंडप बनाने के दिन विशेषरूप से लोगों को सिर्फ मुढ़ी मिठाई या गुड़ के साथ नाश्ते में दी जाती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि पश्चिम बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद कोलकाता के एक मैदान पर ममता बनर्जी ने बाबुल सुप्रियो के संग झालमुढ़ी खाया था। इसके जरिए उन्होंने अपनी विजय, भाजपा से बेफिक्री और अपने लोगों को संदेश दिया था। उन्नीस अप्रैल को झारग्राम में झालमुढ़ी खरीदते वक्त पता नहीं प्रधानमंत्री मोदी को यह पता था कि नहीं, लेकिन उन्होंने इसके जरिए इतिहास रच दिया। गांधी जी के बारे में कहा जाता है कि वे बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर थे। प्रधानमंत्री मोदी भी बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर हैं। मात्र दस रूपए की झालमुढ़ी के जरिए उन्होंने पश्चिम बंगाल के आम लोगों के दिलों तक जगह बना ली।

उन्होंने अपनी पार्टी का संदेश सीधे हर घर तक पहुंचा दिया। जिन इलाकों में झालमुढ़ी खाई जाती है, उन इलाकों में देखेंगे तो हर राजनीतिक सम्मेलन, रैली आदि के दौरान बाहर इसके ठेले और खोमचे लगे होते हैं। कई बार नेताओं के इंतजार में वक्त काटने तो कई बार तात्कालिक भूख मिटाने का जरिया यह झालमुढ़ी ही होती है। स्कूलों, कॉलेजों और कचहरियों के आसपास झालमुढ़ी और चने-चबेने के खोमचे और ठेले आपको पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुतायत से मिल जाएंगे। हाट-बाजार में भी शाम की चाय के वक्त का इन इलाकों का सबसे आसानी से सस्ते में उपलब्ध और पसंदीदा स्नैक यह झालमुढ़ी ही है।

विधानसभा चुनाव परिणामः स्पष्ट जनादेश, नई सरकारों की होगी कड़ी अग्निपरीक्षा

-मृत्युंजय दीक्षित

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम आ चुके हैं। नई सरकारों के गठन की प्रक्रिया आरम्भ हो चुकी है। बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुदुचेरी के ये विधानसभा चुनाव परिणाम कई स्पष्ट संकेत देने वाले हैं। बंगाल, असम, और पुदुचेरी ने जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले भाजपा व राजग गठबंध को दो तिहाई बहुमत के साथ चुना वहीं तमिलनाडु और केरल में भी सत्ता बदल गई। बंगाल, असम और पुदुचेरी में विकास, कल्याणकारी योजनाओं व हिंदुत्व का कमाल रहा। असम में कल्याणकारी योजनाओं के सहारे भाजपा जहां महिलाओं और युवाओं को साधने में सफल रही वहीं मुख्यंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ मुहिम छेड़कर नस्ल, क्षेत्र और भाषा में बनते हिंदुओं को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई। असम और बंगाल की जनता को भाजपा यह भरोसा दिलाने में सफल रही कि केवल भाजपा ही बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या से मुक्ति दिला सकती है।

बंगाल और असम के बाद सबसे अधिक चर्चा तमिलनाडु को लेकर हो रही है। तमिलनाडु के चुनाव परिणामों ने सभी को हैरान कर दिया है। एक बार द्रमुक और एक बार अन्नाद्रमुक का मिथक टूट गया है। फिल्म स्टार विजय की झोली वोटों से भरी है। केरलम में पराजय के बाद देश भर से वामपंथी सरकारों का अंत हो चुका है तथापि वह अपना राजनैतिक और वैचारिक अस्तित्व बचाए रखने के लिए दो विधायकों के बल पर तमिलनाडु में एक्टर थलपति विजय की नई सरकार मे घुस रही है। सभी राज्य विधानसभाओं में भाजपा का खाता खुल चुका है। पहली बार केरलम में भाजपा के तीन व तमिलनाडु में एक विधायक जीतने में सफल रहे हैं।

तमिलनाडु में थलपति विजय की सरकार- तमिलनाडु की जनता द्रविड़ राजनीति से हताश और निराश हो चुकी थी। कभी द्रमुक और कभी अन्ना द्रमुक राज्य इनके बीच में झूलता रहता था। तमिल राजनीति में फिल्मी कलाकारों की अहम भूमिका रही है एम. जी. रामचंद्रन से लेकर करुणानिधि और जयललिता जैसे सितारों ने वहां की राजनीति में अहम भूमिका निभाई और लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे।

तमिलनाडु में एक्टर थलपति विजय की इतनी प्रचंड लहर चली कि मुख्यमंत्री स्टालिन अपनी सीट तक हार गए। इस लहर का आभास किसी भी राजनैतिक विश्लेषक को नही था। एक्टर थलपति विजय की विजय में मुख्य भूमिका उनके चुनावी वायदों ने की है जो अधिकांशतः मुफ्त की रेवड़ी वाले हैं। विवाह के लिए महिलाओं को 22 कैरेट का आठ ग्राम सोना देने से लेकर 60 सल से कम आयु की महिलाओं को 2500 रुपए मासिक सहायता प्रति परिवार छह फ्री सिलेंडर देने का वादा काम कर गया। गरीब दुल्हनों के लिए रेशमी साड़ी और महिलाओं द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों के लिए पांच लाख रुपए तक के बयाज मुक्त ऋण का आश्वासन भी विजय ने दिया है। थलपति विजय ने वैसे ही कई लोक लुभावन वायदे किये है जैसे कभी आप नेता अरविंद केजरीवाल किया करते थे। यह थलपति विजय तमिलनाडु के केजरीवाल सिद्ध हो सकते हैं।

ईसाई पिता ओर हिंदू मां की संतान विजय ने अपनी पार्टी की विचारधारा तैयार करने में द्रविड़ विचारधारा और तमिल राष्ट्रवाद के तत्वों को जोड़ा है। इनकी पार्टी तमिलगा वेटी कझागम की स्थापना फरवरी 2024 में हुई, जो तमिलनाडु और पुदुचेरी तक फैली हुई है। लोग सोच रहे हैं कि विजय की आखिर इतनी बड़ी विजय कैसे हो गईङ्क विजय लम्बे समय से कई घरों के चूल्हों के ईंधन, बेटियों की पढ़ाई ओर बहनों की शादी का खर्च लगातार उठा रहे थे। उनके वोटबैंक में सबसे बड़ी हिस्सेदारी महिलाओं और युवाओं की रही है। वह अपनी फिल्मों में गरीबों के मसीहा के तौर पर पेश किए जाते थे जिसका परिणाम अब सबके सामने है। विजय की चुनावी जनसभाओं में अभूवपूर्व भीड़ उमड़ रही थी किंतु कोई राजनैतिक विश्लेषक यह मानकर नहीं चल रहा था कि वह सरकार बनाने तक पहुंच जाएंगे। तमिलनाडु में यदि कोई सबसे बड़ा परजीवी दल साबित हुआ है तो वह कांग्रेस है क्य उसने हर बार की तरह अपना अस्तित्व बचाये रखने के लिए एक और क्षेत्रीय दल की सरकार में गठबंधन के बहाने सेंधमारी कर ली है। जो दल कांग्रेस के साथ गए व कांग्रेस जिन दलों के साथ गई उन दलों का क्या हाल हो रहा है सभी को पता है। वैसे अभी थलपति विजय का शपथ ग्रहण समारोह भी ग्रहण ग्रस्त लग रहा है।

धर्मनिरपेक्षता की मृगतृष्णा में भटक रहा इंडिया गठबंधन तोड़ रहा है सियासी दम?

जहां कांग्रेस ने स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक खुद को धर्मनिरपेक्ष राजनीति की केंद्रीय धुरी के रूप में स्थापित रखा। परंतु समय के साथ उस पर यह आरोप मजबूत होता गया कि उसने बहुसंख्यक समाज की सांस्कृतिक आकांक्षाओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया और वोट बैंक आधारित राजनीति को प्राथमिकता दी। इसका परिणाम यह हुआ कि भाजपा ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और बहुसंख्यक अस्मिता के प्रश्न को राजनीतिक विमर्श के केंद्र में ला दिया। आज स्थिति यह है कि जो दल कभी भाजपा के हिंदुत्व विमर्श का तीखा विरोध करते थे, वे भी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मंदिर, सनातन परंपरा, जातीय-सामाजिक प्रतिनिधित्व और राष्ट्रवाद की भाषा बोलने लगे हैं। इससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि भारतीय मतदाता अब केवल धर्मनिरपेक्षता के पारंपरिक नारों से संतुष्ट नहीं है, बल्कि वह सांस्कृतिक आत्मसम्मान और विकास के संतुलन की अपेक्षा कर रहा है। कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा संकट यह है कि वह अभी तक यह तय नहीं कर पाई है कि उसकी राजनीति की मूल दिशा क्या होगी-पारंपरिक अल्पसंख्यक केंद्रित गठजोड़?

-कमलेश पांडे

धर्मनिरपेक्षता की भारतीय अवधारणा मूलतः सर्वधर्म समभाव और राज्य की धार्मिक निष्पक्षता पर आधारित रही है। लेकिन पिछले कई दशकों में भारतीय राजनीति के एक हिस्से ने इसे सामाजिक संतुलन के बजाय अल्पसंख्यक तुष्टिकरण के राजनीतिक औजार के रूप में प्रस्तुत किया। यही कारण है कि आज अनेक क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दल वैचारिक संकट से गुजरते दिखाई दे रहे हैं। सच कहूं तो वे सभी धर्मनिरपेक्षता की मृगतृष्णा में भटक रहे हैं, इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल कांग्रेस की बेरुखी से अपना अपना सियासी दम तोड़ते जा रहे हैं!

जहां कांग्रेस ने स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक खुद को धर्मनिरपेक्ष राजनीति की केंद्रीय धुरी के रूप में स्थापित रखा। परंतु समय के साथ उस पर यह आरोप मजबूत होता गया कि उसने बहुसंख्यक समाज की सांस्कृतिक आकांक्षाओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया और वोट बैंक आधारित राजनीति को प्राथमिकता दी। इसका परिणाम यह हुआ कि भाजपा ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और बहुसंख्यक अस्मिता के प्रश्न को राजनीतिक विमर्श के केंद्र में ला दिया।

आज स्थिति यह है कि जो दल कभी भाजपा के हिंदुत्व विमर्श का तीखा विरोध करते थे, वे भी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मंदिर, सनातन परंपरा, जातीय-सामाजिक प्रतिनिधित्व और राष्ट्रवाद की भाषा बोलने लगे हैं। इससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि भारतीय मतदाता अब केवल धर्मनिरपेक्षता के पारंपरिक नारों से संतुष्ट नहीं है, बल्कि वह सांस्कृतिक आत्मसम्मान और विकास के संतुलन की अपेक्षा कर रहा है।

कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा संकट यह है कि वह अभी तक यह तय नहीं कर पाई है कि उसकी राजनीति की मूल दिशा क्या होगी—पारंपरिक अल्पसंख्यक केंद्रित गठजोड़? सामाजिक न्याय आधारित नई राजनीति? या फिर भारतीय सांस्कृतिक चेतना के साथ सामंजस्य? यदि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल समय रहते अपने वैचारिक ढांचे का पुनर्मूल्यांकन नहीं करते, तो उनके सामने तीन बड़े खतरे बने रहेंगे।

पहला, बहुसंख्यक समाज से लगातार बढ़ती दूरी उनके लिए सियासी चिंता का सबब बन सकती है। क्योंकि क्षेत्रीय दलों द्वारा उनके पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाया जा चुका है। दूसरा, भाजपा के राष्ट्रवादी विमर्श के सामने वैकल्पिक नैरेटिव का अभाव उतपन्न हो गया है। हालांकि यह भी ध्यान रखना होगा कि भारतीय लोकतंत्र केवल बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक राजनीति पर नहीं चलता। तीसरा, अंततः जनता विकास, सुशासन, सुरक्षा, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय आत्मविश्वास—इन सभी का संतुलन चाहती है।

इसलिए भविष्य उसी राजनीतिक शक्ति का होगा जो पहचान की राजनीति से ऊपर उठकर विश्वसनीय शासन मॉडल प्रस्तुत कर सके। कांग्रेस के लिए चुनौती केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि अपनी वैचारिक प्रासंगिकता बचाने की है। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि वह अपने पुराने ढांचे से बाहर निकलकर नई राजनीतिक भाषा गढ़ पाती है या नहीं।

बच्चों की जुकाम-खांसी से पेट दर्द तक में फौरन राहत देंगे दादी मां के असरदार नुस्खे

बच्चों को सर्दी-खांसी, जुकाम, पेट में दर्द जैसी समस्याएं अक्सर होती हैं। इसके लिए आजकल की मां दवाई या डॉक्टर की फौरन सलाह ले लेती हैं। पहले के जमाने में इन चीजों के लिए दादी-नानी के नुस्खे काफी असरदार होते थे।

आजकल हम हर छोटी-बड़ी चीजों के लिए बच्चों को फौरन दवाई दे देते हैं, फिर चाहे उन्हें सर्दी-खांसी हो या पेट में दर्द। पहले के जमाने में दादी-नानी बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए कई तरह के घरेलू नुस्खे अपनाया करती थीं, जो आप भी कारगर साबित होते हैं। इन नुस्खों के बारे में आजकल की मॉडर्न मॉम को कम पता है लेकिन हर मां को ये जानना जरूरी है। छोटी-बड़ी चीज के लिए बच्चे को दवाई देना उनकी सेहत के लिए भी बुरा है और इम्यूनिटी पर भी इसका बुरा असर पड़ता है। अगर आपके घर में छोटा बच्चा है, तो दादी के ये 4 पुराने और असरदार नुस्खे जरूर ट्राई करें। इन नुस्खों की मदद से बच्चे की सर्दी-खांसी से लेकर पेट दर्द तक में फौरन आराम आ जाएगा। चलिए आपको इनके बारे में पूरी जानकारी देते हैं।

दादी मां के 4 असरदार नुस्खे-

1- जुकाम-खांसी के लिए तेल

अगर बच्चे को जुकाम-खांसी लगातार बनी रहती है और इससे जकड़न हो गई है, तो सरसों का तेल फायदा करेगा। आपको करना ये है कि सरसों का तेल कढ़ाही में लें और उसमें लहसुन, अजवायन, मेथी दाना डालकर गर्म करें। अब इस तेल को ठंडा करें और किसी शीशी में रख लें। रात में सोने से पहले इस तेल को गुनगुना करें और बच्चे की छाती, पैर के तलवे, हथेलियों पर रगड़ें। ऐसा करने से बच्चे की जकड़न खत्म होगी और जुकाम से रात में नाक नहीं बंद होगी।

2- जायफल वाला नुस्खा

जायफल किचन का मसाला है, जिसका इस्तेमाल सब्जी का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। दादी मां के नुस्खों के मुताबिक, जायफल का यूज आप बच्चे को हो रहे लगातार जुकाम से राहत दिलाने के लिए भी कर सकती हैं। आपको जायफल को किसी पत्थर या लकड़ी पर 1-2 बूंद पानी के साथ घिसना है। घिसने पर जायफल का अर्क निकल आएगा और उसे आप चम्मच में रख लें। मां के दूध के साथ जायफल के इस पेस्ट को मिक्स करें और बच्चे को चटा दें। बच्चे को लगातार हो रहा जुकाम खत्म हो जाएगा। इसकी तासीर गर्म होती है और ये सर्दी-खांसी में राहत दिलाता है। ध्यान रखें कि गर्मी में जायफल ज्यादा नहीं देना है और सर्दी में इसे हफ्ते में दो बार दे सकते हैं।

3- पेट दर्द के लिए हींग

छोटे बच्चों को अक्सर पेट में दर्द या फिर गैस की समस्या रहती है। इसकी वजह से बच्चे रोते रहते हैं और कई बार मां का दूध भी नहीं पीते। ऐसी सिचुएशन में अक्सर मां या घर के बड़े समझ नहीं पाते कि आखिर बच्चे को हुआ क्या है। अगर बच्चा दूध नहीं पी रहा है और रोए जा रहा है, उसका पेट फूला लग रहा है। तो आपको दादी मां का हींग वाला नुस्खा अपनाना है। हींग को गुनगुने पानी में घोल लें और बच्चे की नाभि के किनारे लगा दें। हींग से पेट दर्द और गैस में फौरन राहत मिलती है।

4- डकार के लिए

दादी मां के अनुसार बच्चे के दूध पिलाने के बाद डकार दिलाना बेहद जरूरी होता है, वरना बच्चा रोता है। कई बार बच्चे दूध भी पलटने लगते हैं। दादी मां ने इसके लिए तरीका बताया है कि बच्चे को सीधा लेटा दें, उसके पैर को साइकिल की पोजिशन में चलाएं। इसके अलावा कंधे पर लेटाकर थपकी दें। वैसे तो अजवायन पाउडर को पानी में घोलकर भी पिलाया जाता है लेकिन ये तब दें जब नॉर्मल तरीकों से डकार न आ रही हो। अगर बच्चा ज्यादा रो रहा है, तो डॉक्टर से संपर्क करें।

क्या पपीते के पत्तों का जूस बुखार में देता है राहत?

बुखार होने पर शरीर कमजोर हो जाता है और जल्दी ठीक होने के लिए लोग कई घरेलू उपाय अपनाते हैं। इन्हीं में से एक है पपीते के पत्तों का जूस जिसे प्राचीन समय से एक असरदार नुस्खा माना जाता रहा है। खासकर डेंगू जैसे बुखार में यह उपाय काफी चर्चा में रहता है। माना जाता है कि इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने और प्लेटलेट्स को सपोर्ट करने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, यह जरूरी है कि इसे चमत्कारी इलाज समझने के बजाय एक सहायक उपाय के रूप में ही लिया जाए। सही मात्रा और सही जानकारी के साथ इसका सेवन करने पर यह बुखार के दौरान शरीर को बेहतर तरीके से रिकवर करने में मदद कर सकता है।

कैसे बनाया जाता है यह जूस?

पपीते के ताजे पत्तों को अच्छे से धो लें। इसके बाद इन्हें पीसकर इसका रस निकाल लें। इस जूस को छानकर थोड़ी मात्रा में पिया जाता है। ध्यान रखें कि इसका स्वाद कड़वा होता है, इसलिए इसे कम मात्रा में ही लेना चाहिए।

इसके संभावित फायदे

प्लेटलेट्स बढ़ाने में मदद : कई लोग मानते हैं कि पपीते के पत्तों का जूस प्लेटलेट्स बढ़ाने में मदद कर सकता है, जो डेंगू के दौरान कम हो जाते हैं।

इम्युनिटी को सपोर्ट : इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं।

कमजोरी दूर करने में सहायक : बुखार के दौरान शरीर कमजोर हो जाता है। यह जूस शरीर को थोड़ा एनर्जी देने में मदद कर सकता है।

शरीर को डिटॉक्स करने में मदद : यह शरीर से टॉक्सिन्स निकालने में सहायक माना जाता है, जिससे शरीर जल्दी रिकवर करता है।

क्या यह सच में चमत्कारी है?

हालांकि यह नुस्खा बहुत लोकप्रिय है, लेकिन इसे 'चमत्कारी इलाज' मानना सही नहीं है। यह एक सहायक उपाय हो सकता है, लेकिन बुखार का सही इलाज डॉक्टर की सलाह से ही होना चाहिए।

किन बातों का रखें ध्यान?

इसे ज्यादा मात्रा में ना लें, गर्भवती महिलाएं इसे लेने से पहले डॉक्टर से सलाह लें, बच्चों को देने से पहले सावधानी बरतें और अगर एलर्जी हो, तो तुरंत बंद करें।

डॉक्टर की सलाह क्यों जरूरी है?

अगर बुखार लंबे समय तक बना रहे या ज्यादा बढ़ जाए, तो इसे नजरअंदाज ना करें। घरेलू नुस्खे केवल हल्की समस्या में ही मदद करते हैं। सही इलाज के लिए डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

नोट : पपीते के पत्तों का जूस एक पुराना और लोकप्रिय घरेलू नुस्खा है, जो बुखार में सहायक हो सकता है। लेकिन इसे सही मात्रा और सही जानकारी के साथ ही अपनाना चाहिए। हमेशा याद रखें कि स्वास्थ्य के मामले में डॉक्टर की सलाह सबसे जरूरी होती है।

लहसुन-प्याज वाला दूध देगा अपच में राहत!

गर्म दूध में लहसुन और प्याज मिलाने का यह अजीब सा नुस्खा पाचन के लिए फायदेमंद माना जाता है। यह देसी उपाय पेट की समस्याओं को कम करने और गट हेल्थ सुधारने में मदद कर सकता है।

घरेलू नुस्खों की दुनिया में कई ऐसे उपाय होते हैं, जो सुनने में अजीब लगते हैं लेकिन उनके फायदे चौंकाने वाले हो सकते हैं। गर्म दूध में लहसुन और प्याज मिलाने का यह नुस्खा भी कुछ ऐसा ही है, जिसे कई पारंपरिक तरीकों में पाचन सुधारने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है।

आजकल खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान की वजह से लोगों को गैस, ब्लोटिंग और अपच जैसी समस्याएं होने लगी हैं। ऐसे में यह आसान और नेचुरल उपाय गट हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। लहसुन और प्याज में मौजूद पोषक तत्व आंतों के लिए फायदेमंद माने जाते हैं, जबकि गर्म दूध शरीर को आराम देने का काम करता है। सही तरीके से इसका सेवन करने पर यह पाचन को सपोर्ट कर सकता है।

कैसे तैयार करें यह नुस्खा?

इस उपाय को बनाने के लिए एक कप गर्म दूध लें। उसमें एक पतली स्लाइस लहसुन की और एक स्लाइस प्याज की डालें। इसे करीब 10 मिनट तक ढककर रख दें, ताकि दोनों के गुण दूध में अच्छे से मिल जाएं। इसके बाद इसे छानकर धीरे-धीरे पिएं।

लहसुन के फायदे : लहसुन में सल्फर कंपाउंड्स पाए जाते हैं, जो गट हेल्थ के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। यह पाचन को बेहतर बनाने और पेट में मौजूद खराब बैक्टीरिया को कम करने में मदद कर सकता है।

प्याज है जरूरी : प्याज में प्रीबायोटिक फाइबर होते हैं, जो अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं। यह आंतों को स्वस्थ रखने में मदद करता है और पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाता है।

दूध का रोल : गर्म दूध शरीर को आराम देता है और पेट को शांत करता है। यह मिश्रण को पीने में थोड़ा स्मूद बनाता है और कुछ लोगों के लिए यह आरामदायक भी महसूस होता है।

पाचन में कैसे करता है मदद?

लहसुन, प्याज और दूध का यह कॉम्बिनेशन गट बैलेंस को सुधारने में मदद कर सकता है। यह ब्लोटिंग (पेट फूलना) को कम करने और पाचन को बेहतर बनाने में सहायक हो सकता है।

किन लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए?

अगर आपको लहसुन या प्याज से एलर्जी है, तो इस नुस्खे को अपनाने से बचें। कुछ लोगों को दूध से भी दिक्कत हो सकती है, इसलिए इसे लेने से पहले अपने शरीर की जरूरत को समझें।

क्या यह नुस्खा हर किसी के लिए सही है?

यह नुस्खा हर किसी के लिए जरूरी नहीं है। कुछ लोगों को इसका स्वाद पसंद नहीं आएगा या उनके शरीर पर इसका अलग असर हो सकता है। इसलिए इसे सीमित मात्रा में ही आजमाएं।

सूखी खांसी में मलाई-इलायची से पाएं राहत

मौसम में बदलाव आते ही सूखी खांसी की समस्या बहुत आम हो जाती है। गले में खुजली, जलन और बार-बार खांसने से दिनचर्या भी प्रभावित होने लगती है। ऐसे में लोग तुरंत दवाइयों की ओर रुख करते हैं, लेकिन कई बार आसान घरेलू नुस्खे भी उतने ही असरदार साबित होते हैं। दादी-नानी के समय से चला आ रहा मलाई और इलायची का यह नुस्खा आज भी काफी लोकप्रिय है। यह ना केवल गले के सूखेपन को कम करता है, बल्कि अंदर से आराम भी देता है। मलाई गले को मुलायम बनाती है, जबकि इलायची अपने एंटी-बैक्टीरियल गुणों से राहत पहुंचाती है। सही तरीके से इसका सेवन करने पर सूखी खांसी में जल्दी आराम मिल सकता है।

मलाई के फायदे

मलाई में नेचुरल फैट होता है, जो गले के सूखापन को कम करता है। यह गले को कोटिंग देकर उसे मुलायम बनाती है। इससे खांसी के दौरान होने वाली जलन और दर्द में राहत मिलती है। खासकर सूखी खांसी में यह बहुत फायदेमंद माना जाता है।

इलायची क्यों है जरूरी?

इलायची में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। यह गले की इंफेक्शन को कम करने में मदद करती है। साथ ही इसकी खुशबू और स्वाद गले को ताजगी देते हैं और सांस को भी बेहतर बनाते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

इस नुस्खे को बनाने के लिए एक चम्मच ताजी मलाई लें और उसमें चुटकी भर इलायची पाउडर मिलाएं। इसे अच्छे से मिक्स करके धीरे-धीरे खाएं। बेहतर असर के लिए इसे रात में सोने से पहले लें, ताकि यह गले में लंबे समय तक असर करे।

कब और कितनी बार लें?

आप इसे दिन में 1-2 बार ले सकते हैं। खासकर रात में लेने से ज्यादा फायदा मिलता है क्योंकि उस समय गले को आराम करने का मौका मिलता है। लगातार 2-3 दिन इस्तेमाल करने से खांसी में आराम महसूस हो सकता है।

किन लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए?

अगर आपको दूध या डेयरी प्रोडक्ट से एलर्जी है, तो इस नुस्खे को अपनाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें। छोटे बच्चों को देने से पहले भी सावधानी रखें।

क्यों अपनाएं घरेलू नुस्खे?

दादी-नानी के नुस्खे प्राकृतिक होते हैं और इनका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। ये आसानी से घर में उपलब्ध चीजों से बन जाते हैं और शरीर को बिना नुकसान पहुंचाए फायदा देते हैं।

जरूरी सलाह! अगर खांसी लंबे समय तक बनी रहती है या ज्यादा बढ़ जाती है, तो डॉक्टर से जरूर संपर्क करें। घरेलू नुस्खे हल्की समस्या में ही ज्यादा असर करते हैं।

उल्टी-दस्त और बुखार की चपेट में नौनिहाल

मौसम बदलते ही बढ़े मरीज, डॉक्टरों ने कहा- खानपान और साफ-सफाई में बरतें विशेष सावधानी

सिंगरौली। जिले में मौसम के लगातार बदलते मिजाज का असर अब लोगों की सेहत पर साफ दिखाई देने लगा है। जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर में इन दिनों मरीजों की भारी भीड़ उमड़ रही है। खासकर छोटे बच्चे उल्टी, दस्त, बुखार और वायरल संक्रमण जैसी समस्याओं से तेजी से प्रभावित हो रहे हैं। अस्पताल के शिशु वार्ड में रोजाना बड़ी संख्या में बच्चों को भर्ती किया जा रहा है, जबकि ओपीडी में भी मरीजों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। डॉक्टरों का कहना है कि गर्मी, उमस और दूषित खानपान के कारण मौसमी बीमारियां तेजी से फैल रही हैं।

जिला चिकित्सालय के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज गौतम ने बताया कि इन दिनों बच्चों में वायरल फीवर, पेट दर्द, उल्टी-दस्त और डिहाइड्रेशन के मामले अधिक सामने आ रहे हैं। कई बच्चों की हालत ऐसी हो जाती है कि उन्हें तत्काल भर्ती कर सलाइन चढ़ानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि मौसम परिवर्तन के दौरान बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ जाती है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। बाहर का खुला भोजन, बासी खाना और दूषित पानी बीमारी की बड़ी वजह बन रहे हैं। डॉ. गौतम ने अभिभावकों को सलाह देते हुए कहा कि बच्चों को केवल उबला या स्वच्छ पानी ही पिलाएं। घर का ताजा भोजन दें और बाजार में बिकने वाले कटे फल, चाट-पकौड़ी तथा खुले खाद्य पदार्थों से दूरी बनाकर रखें। छोटे बच्चों को धूप में अधिक देर तक न रखें और शरीर में पानी की कमी न होने दें। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे को लगातार उल्टी-दस्त, तेज बुखार, सुस्ती या कमजोरी महसूस हो तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए।अस्पताल प्रबंधन के अनुसार पिछले कुछ दिनों में मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। ओपीडी से लेकर इमरजेंसी तक मरीजों की भीड़ बनी हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने भी लोगों से सतर्क रहने और बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत अस्पताल पहुंचने की अपील की है। चिकित्सकों का कहना है कि समय पर उपचार और सावधानी से अधिकांश मौसमी बीमारियों से आसानी से बचाव किया जा सकता है।

लापरवाही बीमारी को गंभीर बन सकती है

वहीं जिला चिकित्सालय के शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. बालेंद्र शाह ने बताया कि मौसम के इस दौर में संक्रमण तेजी से फैलता है। कई मरीज पेट संबंधी गंभीर समस्याओं के साथ अस्पताल पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी लापरवाही भी बीमारी को गंभीर बना सकती है। लोग अक्सर शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं और घरेलू उपचार या बिना सलाह के दवाइयां लेने लगते हैं, जिससे स्थिति बिगड़ जाती है। डॉ. शाह ने कहा कि साफ-सफाई और खानपान में सावधानी ही मौसमी बीमारियों से बचाव का सबसे बड़ा उपाय है। भोजन करने से पहले हाथ धोने, साफ पानी पीने और आसपास स्वच्छता बनाए रखने की आदत अपनानी चाहिए। बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है क्योंकि इनकी प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कम होती है।

संघ शताब्दी वर्ष पर प्रमुख जन गोष्ठी आयोजित

सिंगरौली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार शाम जीएस प्लाजा होटल बैढ़न में प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं मातृ शक्तियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. सुरेंद्र ने राष्ट्रीय चेतना, संगठन की भूमिका और भारतीय संस्कृति के महत्व पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत चलाए जा रहे 'पंच परिवर्तन' अभियान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने सेवा भाव, संस्कार और प्रकृति संरक्षण को समाज के विकास का आधार बताया। डॉ.सुरेंद्र ने कहा कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत कर ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। उनके संबोधन को उपस्थित लोगों ने गंभीरता से सुना और इसे समाज हित में प्रेरणादायी बताया। पूरे कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रभक्ति और सामाजिक एकता का वातावरण बना रहा। अंत में सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया गया, जिसके बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम की जानकारी जिला प्रचार प्रमुख एडवोकेट अखिलेश शाह ने दी।

अमिलिया-सुहिरा मार्ग पर कोल वाहनों का कब्जा, घंटों जाम से जनता बेहाल

कंपनी प्रबंधन और बंधौरा चौकी पुलिस की लापरवाही पर उठ रहे सवाल, दो पहिया वाहन चालको की बढ़ी मुश्किलें

सिंगरौली। जिले के अमिलिया-सुहिरा सड़क मार्ग पर इन दिनों कोयला परिवहन करने वाले भारी वाहनों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। हालत यह है कि सुबह से लेकर देर रात तक इस मार्ग पर कोल वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती हैं, जिसके कारण आए दिन घंटों जाम की स्थिति बन रही है। सड़क पर फंसे स्कूली बच्चे, मरीज, कर्मचारी और आम ग्रामीण घंटों परेशान होते रहते हैं, लेकिन जिम्मेदार कंपनी प्रबंधन और बंधौरा चौकी पुलिस इस समस्या को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कोल परिवहन करने वाली कंपनियां नियमों की अनदेखी कर मनमाने ढंग से भारी वाहनों का संचालन करवा रही हैं। सड़क पहले से ही संकरी है, ऊपर से एक साथ दर्जनों हाइवा और ट्रेलर गुजरने के कारण अक्सर सड़क पूरी तरह जाम हो जाती है। कई बार स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि दोपहिया वाहन चालकों को भी निकलने तक की जगह नहीं मिलती। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर धूल, गड्ढे और भारी वाहनों की तेज रफ्तार ने दुर्घटना का खतरा भी बढ़ा दिया है। कई बार छोटे वाहन और एम्बुलेंस तक जाम में फंस जाती हैं, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है। लोगों का आरोप है कि कंपनी प्रबंधन केवल कोयला ढुलाई पर ध्यान दे रहा है, जबकि आम जनता की सुरक्षा और सुविधा को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि बंधौरा चौकी पुलिस की मौजूदगी के बावजूद यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। कई बार सड़क पर घंटों जाम लगा रहता है, लेकिन ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जाते। लोगों का कहना है कि यदि पुलिस और प्रशासन सख्ती से वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करे तो काफी हद तक समस्या कम हो सकती है।

सड़क चौड़ीकरण की उठी मांग

लगातार बढ़ती समस्या को देखते हुए अमिलिया, सुहिरा और आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने अब सड़क चौड़ीकरण की मांग तेज कर दी है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान सड़क भारी कोल वाहनों के दबाव को सहन करने लायक नहीं है। ऐसे में यदि जल्द सड़क का चौड़ीकरण नहीं किया गया तो आने वाले समय में हालात और भयावह हो सकते हैं। स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन से मांग की है कि अमिलिया-सुहिरा मार्ग को तत्काल दो लेन सड़क में बदला जाए, ताकि भारी वाहनों और आम यातायात को अलग-अलग तरीके से संचालित किया जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि कोयला परिवहन से कंपनियां करोड़ों रुपये का कारोबार कर रही हैं, लेकिन सड़क सुधार और यातायात व्यवस्था पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा।

मां-सुखी परिवार की आधारशिला विषय पर कार्यक्रम आयोजित हुआ

मातृत्व दिवस पर माताओं का हुआ सम्मान

सिंगरौली। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की स्थानीय शाखा तपोवन काम्प्लेक्स विंध्य?नगर में मातृत्व दिवस के अवसर पर एक बहुत सुन्दर विषय - मां - सुखी परिवार की आधारशिला पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कथावाचक विजयलक्ष्मी शुक्ला, समाजसेवी श्रीमती अनीता जायसवाल, योगा फाउण्डेशन की दीपा, श्रीमती अपर्णा सिंह, एनटीपीसी, श्रीमती कंचन सिंह, श्रीमती गायत्री सिंह आदि उपस्थित थीं। सर्वप्रथम कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया उसके पश्चात आज के दिवस के उपलक्ष्य केक कटिंग करके सभी का मुख मीठा कराया गया। मातृत्व दिवस के अवसर पर बाल कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। संस्थान की ओर ब्रह्माकुमारी आश्रम तपोवन काम्प्लेक्स प्रभारी ब्रह्माकुमारी शोभा बहन ने कहा कि परमपिता परमात्मा शिव हम सभी आत्माओं के रचयिता अर्थात असली माँ है अतः हम सभी उनका ध्यान करके वर्तमान समय की विषम परिस्थितियों का सामना करने के लिए शक्ति लें। राजयोग मेडिटेशन परमात्मा शिव से शक्तियां प्राप्त करने का एक सशक्त माध्यम है। भोपाल से पधारी ब्रह्माकुमारी जया बहन ने सभी को राजयोग अभ्यास कराया।भोपाल से पधारे ब्रह्माकुमार दीपेन ने सभा में उपस्थित सभी माताओं को मातृत्व दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मां नारी के अनेक रूपों में एक विशेष रूप है। मां शब्द सुनते ही कुछ गुण अपने आप ही मानस पटल पर आ जाते हैं कार्यक्रम के दौरान हाल ही में जबलपुर बरगी बांध में हुई दुर्घटना में मृत्यु को प्राप्त हुए लोगों के प्रति दो मिनट मौन रहकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभा में उपस्थित सभी अतिथियों ने मां के प्रति अपने उदगार व्यक्त किए। कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्रह्माकुमारी सरीता बहन ने किया। ब्रह्माकुमारी अंजु दीदी ने सभी को कुछ प्रतिज्ञाएं करायी।

एनटीपीसी विंध्याचल में जेम-2026 का शुभारंभ, जिला प्रशासन ने की सराहना

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल ने 11 मई 2026 को उमंग भवन में अपने प्रमुख सामाजिक अभियान बालिका सशक्तिकरण अभियान 2026 के सातवें संस्करण का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम ग्रामीण बालिकाओं को शिक्षा, आत्मविश्वास और समग्र विकास के माध्यम से सशक्त बनाने की दिशा में एनटीपीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वर्ष 2018 से शुरू हुई इस एक माह की आवासीय कार्यशाला के माध्यम से अब तक आसपास के जिलों की 736 बालिकाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। यह पहल भारत सरकार के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अनुरूप संचालित की जा रही है।

कार्यक्रम का उद्घाटन सिंगरौली कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी गौरव बेनल, आईएएस ने किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक केएम. शियाज, आईपीएस, सहायक कलेक्टर सुश्री सौम्या मिश्रा, एनटीपीसी विंध्याचल के परियोजना प्रमुख संजीव कुमार साहा, वरिष्ठ अधिकारी, सीआईएसएफ प्रतिनिधि, विद्यालयों के प्राचार्य एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने बालिका सशक्तिकरण के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन के सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित किया। अतिथियों का स्वागत करते हुए विंध्याचल की मानव संसाधन प्रमुख श्रीमती रूमा दे शर्मा ने बताया कि विंध्य क्षेत्र में एक पायलट परियोजना के रूप में शुरू हुआ बालिका सशक्तिकरण अभियान कार्यक्रम आज अपनी सफलता के कारण देशभर के 50 से अधिक एनटीपीसी परियोजनाओं में लागू किया जा चुका है। उद्घाटन समारोह में डीपीएस के विद्यार्थियों द्वारा गणेश वंदना प्रस्तुत की गई तथा जेम की पूर्व प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस पहल ने उनके आत्मविश्वास और शैक्षणिक विकास को नई दिशा दी है।अपने संबोधन में एनटीपीसी विंध्याचल के परियोजना प्रमुख संजीव कुमार साहा ने कहा कि जेम के माध्यम से वर्षों से बालिकाओं के व्यक्तित्व में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षा, जीवन कौशल, फिटनेस एवं व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। सहायक कलेक्टर सुश्री सौम्या मिश्रा ने इस सार्थक पहल के लिए एनटीपीसी की सराहना की, वहीं पुलिस अधीक्षक के.एम. शियाज ने कहा कि लड़कियों को सामाजिक बंधनों से ऊपर उठकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए।अपने प्रेरणादायक संबोधन में कलेक्टर गौरव बेनल ने बालिकाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करने हेतु प्रेरित किया। समारोह के दौरान जेम-2025 पर आधारित एक लघु फिल्म तथा जेम -2026 का टीज़र भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें योग, कराटे, कहानी लेखन एवं सामाजिक जागरूकता जैसी गतिविधियों को रचनात्मक रूप से दिखाया गया। कार्यक्रम का समापन बालिका सशक्तिकरण विषय पर विभिन्न विद्यालयों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रतिभागियों के सम्मान, नई जेम 2026 बैच के स्वागत में प्रतीकात्मक केक कटिंग तथा अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रणव वर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

सरई तहसील में खत्म हुआ 'तारीख पर तारीख' का खेल, 15 दिन में 700 फाइलों का निपटारा

डिप्टी कलेक्टर धर्म प्रकाश मिश्रा की सख्ती से राजस्व मामलों में आई तेजी, किसानों को मिली राहत

सिंगरौली। सरई तहसील न्यायालय में वर्षों से लंबित पड़े राजस्व मामलों के निपटारे में अब अभूतपूर्व तेजी देखने को मिल रही है। डिप्टी कलेक्टर धर्म प्रकाश मिश्रा के कार्यभार संभालते ही तहसील का माहौल बदल गया है। महज 15 दिनों के भीतर 700 से अधिक लंबित फाइलों का निराकरण कर प्रशासन ने नई कार्यशैली की मिसाल पेश की है।

तहसील न्यायालय में बंटवारा, नामांतरण और सीमांकन से जुड़े वे प्रकरण, जो महीनों से लंबित थे, अब तेजी से निपटाए जा रहे हैं। पहले जहां फरियादियों को बार-बार तारीख मिलने से परेशानी उठानी पड़ती थी, वहीं अब तय समय पर सुनवाई और फैसले हो रहे हैं। डिप्टी कलेक्टर स्वयं मामलों की निगरानी कर रहे हैं, जिससे न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति दोनों आई है। तहसील परिसर में सक्रिय बिचौलियों और दलालों की भूमिका भी लगभग समाप्त हो गई है। अब फरियादी सीधे न्यायालय पहुंचकर अपनी बात रख रहे हैं। किसानों और ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय बाद उन्हें प्रशासनिक व्यवस्था पर भरोसा बढ़ा है।

गोरा गांव निवासी 62 वर्षीय रामकुमार साहू ने बताया कि उनके परिवार की जमीन का बंटवारा लंबे समय से अटका हुआ था। उन्होंने कहा कि पहले उम्मीद छोड़ चुके थे, लेकिन अब सुनवाई तेजी से हो रही है। लगता है जीते जी मामला सुलझ जाएगा। सरई तहसील में आई यह कार्यगत तेजी अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। आमजन इसे प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जवाबदेही का सकारात्मक उदाहरण मान रहे हैं।

ब्राह्मण समाज की रक्तदान शिविर को लेकर बैठक संपन्न

सिंगरौली। ब्राह्मण समाज द्वारा आगामी 17 मई 2026 को आयोजित होने वाले विशाल रक्तदान शिविर की तैयारियों को लेकर मिश्रा पॉलीक्लीनिक एवं नर्सिंग होम स्थित महामना सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।

बैठक में प्रस्तावित वृहद रक्तदान शिविर के सफल आयोजन हेतु तैयारियों, व्यवस्थाओं एवं कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए और जिम्मेदारियों का निर्धारण किया। इस दौरान राम अशोक शर्मा, अमित द्विवेदी, डॉ. डीके मिश्रा, वीरेन्द्र पाठक, मिथिलेश मिश्रा, डॉ. आरडी पाण्डेय, शिवेंद्र पाण्डेय, आशीष शुक्ला, शिव कुमार पाण्डेय, सतेन्द्र पाण्डेय, प्रीतेश पाठक, सौरभ दुबे, मनीष चौबे, विवेक कुमार त्रिपाठी, ओम प्रकाश तिवारी, अनंत चतुर्वेदी, राजेश दुबे, रजनीश धर द्विवेदी, गजमोचन सिंह एवं राहुल शर्मा सहित समाज के कई सदस्य उपस्थित रहे।

सिंगरौली में बिना परमिट स्कूल वाहनों पर बड़ी कार्यवाही, जीरो टॉलरेंस नीति लागू

सिंगरौली। सिंगरौली जिले में बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले स्कूल वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग द्वारा सख्त अभियान चलाते हुए ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई। जांच के दौरान कई स्कूल बसों एवं वाहनों को बिना वैध परमिट, कराधान नियमों के उल्लंघन, टैक्स बकाया तथा मैरिज पार्टी/व्यावसायिक संचालन में उपयोग करते हुए क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर संचालित करते पाया गया। यह कार्रवाई कलेक्टर के आदेश, जिला परिवहन अधिकारी विक्रम सिंह राठौर के मार्गदर्शन एवं चेकपोस्ट प्रभारी के नेतृत्व में की गई। मौके पर ऑनलाइन चालानी कार्रवाई की गई तथा संबंधित वाहन स्वामियों को नोटिस जारी कर बकाया कर एवं शास्ति राशि जमा

करने हेतु निर्देशित किया जा रहा है। विभाग का स्पष्ट संदेश है कि बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़, नियमों की अवहेलना एवं शासकीय राजस्व चोरी करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। कार्रवाई के दौरान चिन्हित कुल 08 स्कूल वाहनों को नोटिस जारी किए जाने की प्रक्रिया। MP66ZG 7578 - स्कूल बस, MP66P0568 - स्कूल बस, MP66ZB 2598 MP66ZB 2647, MP66ZC 1484, MP66ZF 2899, MP66P 0579 MP66ZF 5382 इसी के साथ जिले में आदर्श परिवहन मॉडल को भी सख्ती से लागू किया जा रहा है। परिवहन आयुक्त द्वारा छुआछुत्त छुट्टाछ की कार्ययोजना एवं निर्देशों के अनुसार फिटनेस, परमिट, बीमा, वैध लाइसेंस, ओवरलोडिंग, स्पीड कंट्रोल, नशा मुक्त ड्राइविंग तथा स्कूल एवं सार्वजनिक वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है बिना फिटनेस और परमिट वाहन सड़क पर नहीं चलेंगे। ओवरलोड एवं खतरनाक परिवहन पर सीधी कार्रवाई होगी। नशे में वाहन चलाने वालों पर जीरो टॉलरेंस रहेगा। बच्चों की सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा लक्ष्य में सिंगरौली को सुरक्षित, अनुशासित एवं आदर्श परिवहन जिला बनाना।

जल संरक्षण का संदेश देने दीवारों पर उतरे नवांकुर कार्यकर्ता

सिंगरौली। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नवांकुर संस्था केपी बैस सेवा समिति शिवपुरवा द्वारा सेक्टर घोघरा अंतर्गत दीवार लेखन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण और जल बचाने के प्रति लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया गया। संस्था के कार्यकर्ताओं ने गांव की दीवारों पर जल ही जीवन है जैसे प्रेरणादायक संदेश लिखकर लोगों को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद सिंगरौली के जिला समन्वयक राजकुमार विश्वकर्मा एवं ब्लॉक समन्वयक विश्वनाथ के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष उमा शंकर सिंह बैस ने कहा कि जल के बिना मानव जीवन संभव नहीं है।

गंभीर हालत में संध्या दुबे को एयर एम्बुलेंस से भेजा गया एम्स भोपाल

सांसद की अनुशंसा और कलेक्टर की तत्परता से मिली त्वरित मदद, पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा बनी जीवनदायिनी

सिंगरौली। प्रदेश सरकार की 'पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा' एक बार फिर गंभीर मरीज के लिए वरदान साबित हुई। जिले की 32 वर्षीय संध्या दुबे को गंभीर हालत में सिंगरौली हवाई पट्टी से एयरलिफ्ट कर एम्स भोपाल भेजा गया। सांसद डॉ. राजेश मिश्र की अनुशंसा और कलेक्टर गौरव बैनल की तत्परता से पूरी प्रक्रिया

तेजी से पूरी कराई गई। जानकारी के अनुसार विंध्यनगर निवासी संध्या दुबे पिछले कई दिनों से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं। वाराणसी में इलाज के दौरान प्रसव के बाद नवजात की मौत हो गई थी, जिससे वह गहरे सदमे में थीं। अस्पताल से छुट्टी मिलने के चार दिन बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। जांच में सेप्टीसीमिया की स्थिति सामने आने पर डॉक्टरों ने उन्हें तत्काल उच्च स्तरीय उपचार की जरूरत बताई। मामले की गंभीरता को देखते हुए सांसद डॉ. राजेश मिश्र ने तुरंत पहल करते हुए प्रशासन से एयर एम्बुलेंस उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इसके बाद कलेक्टर गौरव बैनल ने संवेदनशीलता दिखाते हुए बिना देर किए 'पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा' की व्यवस्था सुनिश्चित कराई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुष्पराज सिंह की निगरानी में मरीज को सिंगरौली हवाई पट्टी तक पहुंचाया गया, जहां से विशेष विमान द्वारा सीधे एम्स भोपाल रवाना किया गया।

स्थानीय लोगों ने सांसद और जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है। प्रशासन का कहना है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार संचालित यह सेवा गंभीर मरीजों को कम समय में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई है। दूरस्थ जिलों के मरीजों के लिए यह योजना राहत का बड़ा माध्यम बन रही है।

इंस्पेक्टर अविनाश में विजुअल परफेक्शन से ज्यादा भावनात्मक ईमानदारी जरूरी : उर्वशी रौतेला

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला एक बार फिर वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश के नए सीजन में पूनम मिश्रा के किरदार में नजर आने वाली हैं। इस बीच उर्वशी ने अपने किरदार और एक्टिंग को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि उनकी पब्लिक इमेज हमेशा ग्लैमर से जुड़ी रही है, लेकिन इंस्पेक्टर अविनाश जैसे प्रोजेक्ट्स में दिखावे से ज्यादा सच्ची भावनाओं की जरूरत होती है। उर्वशी ने आईएएनएस से बताया कि एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ने के लिए परफॉर्मेंस वैनिटी यानी परफेक्ट दिखने की सोच को छोड़ना बहुत जरूरी होता है।

उन्होंने कहा, लोग अक्सर मुझसे हर फ्रेम, हर एक्सप्रेशन और हर पल में परफेक्शन की उम्मीद करते हैं, क्योंकि मेरी छवि ग्लैमरस रही है। लेकिन इंस्पेक्टर अविनाश जैसे प्रोजेक्ट विजुअल परफेक्शन से ज्यादा भावनात्मक ईमानदारी मांगती हैं।

एक्ट्रेस ने कहा कि इस किरदार के लिए उन्होंने खुद को ज्यादा प्रेजेंट रखने पर ध्यान दिया उर्वशी ने कहा, असल जिंदगी में मुश्किल हालात से गुजर रहे लोग यह नहीं सोचते कि वे कैसे दिख रहे हैं। वे सिर्फ प्रतिक्रिया दे रहे होते हैं, हालात से जूझ रहे होते हैं और भावनाओं को महसूस कर रहे होते हैं। एक अभिनेता के तौर पर इस सच्चाई को समझना मेरे लिए बेहद जरूरी था।

उन्होंने कहा, लोग अक्सर मुझसे हर फ्रेम, हर एक्सप्रेशन और हर पल में परफेक्शन की उम्मीद करते हैं, क्योंकि मेरी छवि ग्लैमरस रही है। लेकिन इंस्पेक्टर अविनाश जैसे प्रोजेक्ट विजुअल परफेक्शन से ज्यादा भावनात्मक ईमानदारी मांगती हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि इस किरदार के लिए उन्होंने खुद को ज्यादा प्रेजेंट रखने पर ध्यान दिया उर्वशी ने कहा, असल जिंदगी में मुश्किल हालात से गुजर रहे लोग यह नहीं सोचते कि वे कैसे दिख रहे हैं। वे सिर्फ प्रतिक्रिया दे रहे होते हैं, हालात से जूझ रहे होते हैं और भावनाओं को महसूस कर रहे होते हैं। एक अभिनेता के तौर पर इस सच्चाई को समझना मेरे लिए बेहद जरूरी था। उर्वशी ने यह भी कहा कि संयमित अभिनय यानी कम शब्दों और शांत अभिनय के जरिए भावनाएं दिखाना ज्यादा मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, मौन, स्थिरता और नियंत्रित भावनाएं के लिए अलग तरह का आत्मविश्वास चाहिए होता है। कई बार कम करके सच दिखाना, ज्यादा ड्रामेटिक होने से भी कठिन होता है।

उर्वशी ने यह भी कहा कि संयमित अभिनय यानी कम शब्दों और शांत अभिनय के जरिए भावनाएं दिखाना ज्यादा मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, मौन, स्थिरता और नियंत्रित भावनाएं के लिए अलग तरह का आत्मविश्वास चाहिए होता है। कई बार कम करके सच दिखाना, ज्यादा ड्रामेटिक होने से भी कठिन होता है।

उर्वशी ने कहा, एक कलाकार के तौर पर, यह उनके लिए यकीनन आजादी देने वाला अनुभव था, क्योंकि इसने मुझे हर पल अपनी इमेज बनाए रखने के दबाव के बिना, अपनी भावनाओं को दिखाने का मौका दिया।

बता दें कि इंस्पेक्टर अविनाश पहली बार साल 2023 में रिलीज हुई थी। इस सीरीज में रणदीप हुड्डा मुख्य भूमिका में हैं। यह शो यूपी के सुपरकॉप अविनाश मिश्रा की जिंदगी और सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जिसमें राज्य में अपराध रोकने की कहानी दिखाई गई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी रौतेला आखिरी बार फिल्म डाकू महाराज में नजर आई थीं।

'पति पत्नी और वो 2' को लेकर उत्साहित सारा अली खान, बताया इस अभिनेत्री के किरदार पर आया था दिल

अपनी अपकमिंग ड्रामा फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर अभिनेत्री सारा अली खान उत्साहित हैं। इस बीच प्रमोशन में जुटी अभिनेत्री आए दिन मजेदार बातें दर्शकों के साथ साझा कर रही हैं। इसी कड़ी में उन्होंने फिल्म में अहम किरदार निभा रहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के किरदार को लेकर मजेदार खुलासा किया। सारा अली का मानना है कि फिल्म का हर एक किरदार खास है, मगर उनकी खासी दिलचस्पी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के किरदार 'नीलोफर' में थी। आईएएनएस से बातचीत में आयुष्मान खुराना ने सबसे पहले यह राज खोला। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म में कई मुख्य किरदार होने पर क्या किसी को दूसरे का रोल ज्यादा पसंद आया, तो आयुष्मान ने बताया कि सारा अली को रकुल प्रीत का किरदार बहुत भाया। उन्होंने कहा कि सारा को लगता है कि नीलोफर के डायलॉग सबसे बेहतरीन हैं।

इस पर सारा अली खान ने भी अपनी बात रखते हुए रकुल प्रीत की कॉमिक टाइमिंग की भी खूब प्रशंसा की। उन्होंने कहा, मुझे नीलोफर का किरदार बहुत पसंद आया था। स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही यह रोल मुझे बहुत अच्छा लगा। लेकिन अब जब मैंने सामने से देखा कि रकुल ने इसे कैसे निभाया है, तो लगता है कि उनके लिए यह रोल बिल्कुल परफेक्ट था। रकुल इतनी मजेदार लग रही हैं कि जो हुआ अच्छे के लिए ही हुआ। अगर कोई दूसरी दुनिया होती तो मैं जरूर नीलोफर का किरदार निभाना चाहती।

इसके साथ ही रकुल प्रीत सिंह ने भी अपने अनुभव साझा किए। आयुष्मान खुराना के साथ पहले भी काम कर चुकीं रकुल ने बताया कि दोस्तों के साथ दोबारा काम करना काफी आसान और मजेदार होता है। इस बार सबसे अलग बात यह रही कि सेट पर बहुत सहजता थी। हमें एक-दूसरे के काम करने के तरीके के बारे में पहले से पता था। इससे काम करना आसान और मस्ती भरा हो जाता है। फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' टी-सीरीज और बी.आर. स्टूडियोज के बैनर तले बनी है। यह फिल्म 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म में आयुष्मान खुराना, सारा अली खान और रकुल प्रीत सिंह के साथ ही वामिका गब्बी भी अहम भूमिका में हैं।

राजा शिवाजी समेत बाकी फिल्मों की कमाई में आया उछाल

कृष्णावतारम और दादी की शादी ने दिखाया दम

इन दिनों सिनेमाघरों में कई बेहतरीन फिल्में सजी हैं। इसमें 'कृष्णावतारम पार्ट 1= हृदयम', दादी की शादी शामिल हैं। इन सभी फिल्मों का रविवार को कलेक्शन बढ़ा है। वहीं कुछ पुरानी फिल्में जैसे राजा शिवाजी, एक दिन और 'भूत बंगला' भी लगी हैं। इनके कलेक्शन में भी वीकएंड पर उछाल आया है। आइए जानते हैं सभी फिल्मों ने रविवार को कितना कलेक्शन किया है।

माइथोलॉजिकल फिल्म 'कृष्णावतारम पार्ट 1: हृदयम' 7 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म की शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही लेकिन वीकएंड पर इसने अच्छा प्रदर्शन किया है। रविवार को इसने 3.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। शनिवार को इसका कलेक्शन 2.25 करोड़ रुपये था। शुक्रवार को इसने 1.15 करोड़ रुपये कमाए थे। पहले दिन इसने 42 लाख रुपये कमाए थे। फिल्म का टोटल कलेक्शन 7.32 करोड़ रुपये हो गया है।

कपिल शर्मा और नीतू कपूर की अदाकारी से सजी फिल्म 'दादी की शादी' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। पहले दिन इसका कलेक्शन अच्छा नहीं रहा। वीकएंड पर इसने अच्छा प्रदर्शन किया। रविवार को फिल्म ने 1.70 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। दूसरे दिन इसकी कमाई 1.15 करोड़ रुपये हो गई। ओपनिंग डे पर इसका कलेक्शन 60 लाख रुपये रहा। इसका कुल कलेक्शन 3.45 करोड़ रुपये हो गया है। छत्रपति शिवाजी की जिंदगी पर आधारित फिल्म राजा शिवाजी एक मई को रिलीज हुई। वीकएंड पर इसके कलेक्शन में उछाल आया है। रविवार को इसने 6.80 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। शनिवार को इसने 5.60 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं शुक्रवार को इसकी कमाई 3.20 करोड़ रुपये थी। इसका टोटल कलेक्शन 68.25 करोड़ रुपये हो गया है। इसमें जेनेलिया डिसूजा, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, सलमान खान और विद्या बालन हैं।

चिरैया को मिल रही प्रतिक्रिया पर दिव्या दत्ता बोलीं-हर लड़की खुद को इस कहानी से जोड़ पा रही है

अभिनेत्री दिव्या दत्ता इन दिनों वेब सीरीज %चिरैया% को लेकर वाहवाही बटोर रही हैं। शशांत शाह द्वारा निर्देशित 6-एपिसोड की सीरीज मैरिटल रेप (वैवाहिक बलात्कार) और वैवाहिक दुर्व्यवहार जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों पर आधारित है। सीरीज जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के बाद से अपनी शानदार कहानी को लेकर वाहवाही बटोर रही है और सभी कलाकारों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। अभिनेत्री दिव्या दत्ता का कहना है कि यह एक ऐसी सीरीज है, जिससे हर लड़की अपने आपको जोड़ पा रही है। अभिनेत्री ने शनिवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पॉडकास्ट का वीडियो शेयर किया। इसमें वे कहती हैं, 'हर कोई चिरैया देख रहा है। अभी हाल ही में मेरी मुलाकात एक मां से हुई, जिसे चिरैया देखने के बाद अपनी बेटी के ससुराल वालों से बोलने की हिम्मत मिली है।' अभिनेत्री ने उस महिला का वाक्य बताते हुए कहा, 'जहां मैं योगा करने जाती हूं, वहां पर एक महिला मेरे पास आई और बोली कि क्या मैं आपसे कुछ बात कर सकती हूं, तो मैंने सोचा, योगा के बीच में कैसी बातें करें, तो मैंने उसे इंतजार करने के लिए बोला, लेकिन वह इसके तैयार ही नहीं थी। वह मुझसे बात करना चाहती थी।'

विजय के सीएम बनते ही तृषा कृष्णन बोलीं- प्यार की गूंज हमेशा ज्यादा होती है

टीवीके प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके एक दिन बाद अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, प्यार की गूंज हमेशा ज्यादा होती है। तृषा कृष्णन ने सोमवार को अपनी एक तस्वीर फैंस के साथ शेयर की, जिसमें वह एक्वा-ब्लू रंग की सिल्क साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। उनकी साड़ी पर गोल्डन जरी का बॉर्डर है। 43 वर्षीय अभिनेत्री 10 मई को चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित विजय के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई थीं। इस दौरान उनके साथ उनकी मां उमा कृष्णा भी मौजूद थीं। समारोह के लिए त्रिशा ने गोल्डन रंग की साड़ी के साथ क्रीम कलर का ब्लाउज पहना था। विजय की पार्टी टीवीके को तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, विदुथलाई चिरुथैगल काची, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और अम्मा मक्कल मुनेत्र कझगम शामिल हैं। इन सहयोगी दलों की मदद से टीवीके ने 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा पार किया। हालिया तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी ने 108 सीटें हासिल कर सबसे बड़ी पार्टी बनने का गौरव हासिल किया। इस जीत के साथ ही राज्य में डीएमके और एआईएडीएमके के लंबे समय से चले आ रहे बारी-बारी के शासन का अंत हो गया। राज्यपाल ने विजय को 13 मई तक विधानसभा में विश्वास मत पेश करने को कहा है। तृषा कृष्णन अपनी अभिनय क्षमता, स्क्रीन प्रजेंस और लंबे समय तक स्टारडम बनाए रखने के कारण दक्षिण भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने कई फिल्मों में विजय के साथ स्क्रीन शेयर की है।

अभिषेक बच्चन ने क्यों नहीं ली राजा शिवाजी के लिए कोई फीस? खुद किया खुलासा, बोले-कला ऐसे ही शुरू होती है

रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी सिनेमाघरों में लगी है। फिल्म को काफी तारीफें मिली हैं। बॉक्स ऑफिस पर भी यह अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच ऐसी खबर आई कि फिल्म के लिए कुछ सितारों ने बिल्कुल फीस नहीं ली। इनमें अभिषेक बच्चन भी शामिल हैं, जिन्होंने फीस के तौर पर सिर्फ रितेश देशमुख की मां के हाथ के ठेंचा (एक किस्म की चटनी) की डिमांड की थी। अभिषेक बच्चन यह फिल्म बिना फीस के करने को राजी क्यों हुए? खुद उन्होंने इसकी वजह बताई है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया था कि अभिषेक बच्चन ने कथित तौर पर फिल्म राजा शिवाजी के लिए फीस चार्ज की थी। हाल ही में अभिषेक

बच्चन ने ऐसी अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये दावे झूठे हैं। अभिनेता ने ऐसे वक्त में अपनी फीस को लेकर प्रतिक्रिया दी है, जब हाल ही में रितेश देशमुख ने कहा था कि फिल्म में गेस्ट अपीयरेंस देने वाले कई सितारों ने फीस नहीं ली। इनमें सलमान खान, विद्या बालन और अभिषेक शामिल हैं। सभी ने छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रति अपनी श्रद्धा और रितेश के साथ अपनी पर्सनल बॉन्डिंग के चलते फीस माफ कर दी थी। अभिषेक बच्चन ने भी अपनी फीस को लेकर न्यूज18 से बातचीत में कहा कि एक्टर्स किसी ऐसे विजन के लिए अपनी फीस कम करने या छोड़ने को तैयार रहते हैं, जिस पर उन्हें भरोसा हो। उन्होंने कहा, %आज के जमाने में ऐसी बहुत सारी रील्स हैं, जिनमें लोग तथ्यों और आंकड़ों के बारे में बात करते हैं। एक्टर ने कहा, %लोगों को यह बात करना पसंद है कि कोई एक्टर या एक्ट्रेस कितनी ज्यादा फीस ले रहा है और कितनी वैन की मांग कर रहा है, लेकिन असल में यह एक कला का रूप है जो दिल से शुरू होता है। अगर हमें किसी चीज पर भरोसा है, तो हमें अपनी फीस छोड़ने में कोई दिक्कत नहीं होती। यह कोई लेन-देन नहीं है। यह एक इमोशनल ट्रांजैक्शन है। आपको प्रेरित होना पड़ता है। इसी तरह कला की शुरुआत होती है। बता दें कि हाल ही में खुद रितेश देशमुख ने इसका खुलासा किया कि सलमान खान, अभिषेक बच्चन और विद्या बालन जैसे बड़े सितारों ने इस ऐतिहासिक फिल्म के लिए कोई फीस नहीं ली है।

मेधावी विद्यार्थियों और मातृत्व शक्ति का हुआ भव्य सम्मान, आदर्श चौरसिया महिला मंच के आयोजन में शिक्षा, संस्कार और मातृशक्ति का दिखा संगम

प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित, मातृत्व दिवस पर माताओं के त्याग और समर्पण को किया नमन, समाज के वरिष्ठजन, पत्रकार और अभिभावकों की गरिमामयी उपस्थिति रही

इटारसी। स्थानीय पत्रकार भवन में आदर्श चौरसिया महिला मंच इटारसी द्वारा आयोजित मेधावी छात्र-छात्राओं का प्रतिभा सम्मान समारोह एवं मातृत्व दिवस सम्मान कार्यक्रम अत्यंत गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शिक्षा, संस्कार और मातृशक्ति के सम्मान का अनूठा संगम देखने को मिला। समाज के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया, वहीं मातृत्व दिवस के अवसर पर माताओं के त्याग, प्रेम और समर्पण को नमन करते हुए उनका विशेष अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कुमारी शिवांशी अतुल चौरसिया, प्रिशा आशीष चौरसिया, राजुल चौरसिया एवं लक्की चौरसिया को उनकी उत्कृष्ट प्रतिभा और शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना और समाज में सकारात्मक संदेश देना रहा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला पत्रकार एवं बचपन प्ले स्कूल की संचालिका सुश्री मंजु ठाकुर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता का मूल मंत्र निरंतर मेहनत, अनुशासन और अच्छे संस्कार हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

विशेष अतिथि पत्रकार संघ एवं अशासकीय स्कूल समिति के अध्यक्ष श्री शिव भारद्वाज ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में शिक्षा और संस्कारों के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए मातृत्व दिवस की शुभकामनाएं दीं।

अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय प्रभारी डॉ. इंदु प्रदीप चौरसिया ने अपने संबोधन में कहा कि आज के मेधावी विद्यार्थी ही कल के सशक्त समाज और राष्ट्र की नींव हैं। उन्होंने माताओं को समाज की सबसे बड़ी प्रेरणा बताते हुए कहा कि मां का त्याग, समर्पण और स्नेह ही बच्चों को सफलता के शिखर तक पहुंचाता है।

मातृत्व दिवस के उपलक्ष्य में मंच की महिलाओं द्वारा सम्मानित माताओं को पुष्पमालाएं भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने मातृशक्ति के सम्मान में तालियों की गूंज के साथ अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ पत्रकार एवं अशासकीय शाला समिति के अध्यक्ष श्री शिव कुमार भारद्वाज सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ महिलाएं, गणमान्य नागरिक, अभिभावक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में आदर्श चौरसिया महिला मंच इटारसी की मंजुला चौरसिया, मधु दिनेश चौरसिया, अनीता विष्णु चौरसिया, गीता राजकुमार चौरसिया, शशि जितेंद्र चौरसिया, चंदा दुर्गा चौरसिया, सपना चौरसिया, सुशीला जी, गीता सीटू चौरसिया एवं आस्था चौरसिया की सक्रिय सहभागिता रही।

कार्यक्रम के अंत में मंच की ओर से अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का प्रभावशाली एवं शानदार मंच संचालन श्रीमती सुधा चौरसिया ने किया।

4 जुलाई को तवा नगर में होगा क्षेत्रीय स्पोर्ट्स क्लब का निर्वाचन, तैयारियों का जायजा लेने हरदा पहुंचे अध्यक्ष बशारत खान

इटारसी/नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग क्षेत्रीय स्पोर्ट्स क्लब नर्मदापुरम के अध्यक्ष बशारत खान ने संगठनात्मक गतिविधियों और खेल संचालन की व्यवस्थाओं का जायजा लेने हरदा जिले का दौरा किया। इस दौरान प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं प्रभारी नर्मदापुरम एसडीओ महेंद्र ओगले ने उनका भारत माता का बैच लगाकर तथा शाल-श्रीफल भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष बशारत खान ने जानकारी दी कि प्रांतीय स्पोर्ट्स क्लब के निर्देशानुसार आगामी 4 जुलाई को तवा नगर में नर्मदापुरम क्षेत्रीय स्पोर्ट्स क्लब का निर्वाचन आयोजित किया जाएगा। निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानांतरित, सेवानिवृत्त एवं दिवंगत अधिकारी-कर्मचारियों के नामों को सूची से पृथक कर अद्यतन जानकारी प्रांतीय क्लब को भेजी जाएगी। साथ ही नए सदस्यों को 23 मई तक सदस्यता प्रदान करने का अभियान भी चलाया जा रहा है।

उन्होंने हरदा स्पोर्ट्स क्लब के जिला अध्यक्ष मौसम परते एवं सचिव सुरेश गौड़ को आवश्यक जानकारियां समय पर उपलब्ध कराने तथा खेल गतिविधियों का नियमित एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उपयंत्री मालवीय जी, अंकित दुबे, धनराज पटेल, कृष्ण मोहन पटेल, हितेश पटेल, जितेंद्र सैनी, संदीप हेब्रले एवं भूपेंद्र पासी सहित कई अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन द्वारा नगर निगम मुरैना में अतिक्रमण मुक्त अभियान संचालित

मुरैना। कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशानुसार मंगलवार को नगर निगम मुरैना क्षेत्र में व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। राजस्व विभाग, नगर निगम एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा शहर के प्रमुख बाजारों एवं मार्गों पर कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाया गया। अभियान के तहत सराफा बाजार, स्टेशन रोड, सदर बाजार एवं लोहिया बाजार क्षेत्रों में सड़क एवं सार्वजनिक मार्गों पर किए गए अतिक्रमण को हटाकर आवागमन को सुगम बनाया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से आमजन को यातायात में राहत मिली तथा बाजार क्षेत्रों में व्यवस्था सुचारू हुई। संयुक्त कार्रवाई में डिप्टी कलेक्टर श्री उमेश अवस्थी एवं नायब तहसीलदार श्रीमती ज्योति लाक्षाकार सहित राजस्व, नगर निगम एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने व्यापारियों एवं आमजन से अपील की कि वे स्वयं आगे आकर अपने गली-मोहल्लों एवं बाजार क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखें, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो और शहर स्वच्छ एवं व्यवस्थित बना रहे। अभियान के दौरान हाथ ठेला संचालकों को रुई मंडी में स्थानांतरित करने हेतु समझाइश दी गई तथा उनके लिए उपयुक्त स्थल चिन्हित करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई। प्रशासन द्वारा हाथ ठेला संचालकों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए उन्हें रुई मंडी में व्यवस्थित रूप से स्थानांतरित होने के लिए कहा गया। कार्रवाई के दौरान कुछ अतिक्रमणकारियों से जुर्माना भी वसूला गया तथा भविष्य में अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी गई।

पंजाब नेशनल बैंक ने किया एग्रीकल्चर आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन, 1.10 करोड़ के ऋण स्वीकृत

सिरोंज। वित्तीय समावेशन और कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से, पंजाब नेशनल बैंक द्वारा शुक्रवार, को एक विशाल एग्रीकल्चर आउटरीच प्रोग्राम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के किसानों और स्वयं सहायता समूहों ने भारी उत्साह दिखाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि हमीर सिंह यादव, जनपद पंचायत सदस्य प्रतिनिधि रामबाबू अहिरवार विशेष रूप से उपस्थित रहे। शिविर के दौरान लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें बड़ी संख्या में विभिन्न स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्य और बैंक के अन्य सम्मानित ग्राहक शामिल थे। बैंक की इस पहल का सीधा लाभ क्षेत्र के विकास को मिला। कार्यक्रम के दौरान कुल 11 हितग्राहियों (जिनमें व्यक्तिगत किसान और स्वयं सहायता समूह शामिल हैं) को ऋण की मंजूरी दी गई। कुल ?110.01 लाख की राशि के %इन-प्रिंसिपल सैंक्शन लेटर% (सैद्धांतिक स्वीकृति पत्र) मौके पर ही वितरित किए गए। शाखा प्रबंधक श्री धर्म सिंह मीणा ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि ऋण को सुलभ बनाना और महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने सफल आयोजन के लिए सभी अतिथियों और ग्राहकों का आभार व्यक्त किया।

विनोद यदुवंशी बेस्ट हेरिटेज होटलफ़ अवॉर्ड से सम्मानित

जिला गौली यदुवंशी समाज के जिलाध्यक्ष एवं पूर्व युवक कांग्रेस अध्यक्ष विनोद यदुवंशी को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में बेस्ट हेरिटेज होटल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 126 साल पुरानी भोपाल की ऐतिहासिक सदर मंजिल के पुनर्निर्माण को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया। साथ ही हरिद्वार में गंगाजी किनारे उनका फाइव स्टार होटल भागीरथी भी शुरू हो चुका है। छिंदवाड़ा का नाम देशभर में रोशन करने पर उन्हें इस्टमित्रो ने बधाई दी, कार्यक्रम में जुनारदेव विधायक सुनील उइके उपस्थित थे.

सीएमओ सबलगढ़ ने सफाई व्यवस्था का जायजा लिया मिडिल स्कूल के सामने सुदामापुरी के बगल स्थित नाले के निर्माण के दिये निर्देश

मुरैना। कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देश पर नगर पालिका सबगलढ़ के सीएमओ श्री सौरभ कुमार ने मंगलवार को सुबह नगर में सफाई व्यवस्था, गंदी गलियों एवं नाले नालियों का निरीक्षण किया। उन्होंने बतासे वाली गली के अंदर बनी गंदी गली में 2 दिन से चल रही सफाई देखी और संबंधित ठेकेदार को सीसी खरंजा हेतु निर्देशित किया। उन्होंने शासकीय जीनफील्ड स्कूल के पास स्थित नाले का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जल्द से जल्द नाले के निर्माण कार्य हेतु सम्बंधित को निर्देश दिए। तत्पश्चात् वार्ड नंबर 11 पिपरघान रोड़ से निकलने वाले नाले की विशेष साफ सफाई के निर्देश स्वच्छता निरीक्षक को दिये। उन्होंने वार्ड में मौजूद लोगों की जलभराव एवं सफाई की समस्याओं के निराकरण का भरोसा दिलाया। वार्ड नंबर 14 खार नाले की पुलिया के पास महीनों से जमा गोबर और कचरे को मौके पर खड़े होकर जेसीबी के माध्यम से ट्रेक्टर-ट्रॉली में भरवाकर साफ-सफाई करवाई गई। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता निरीक्षक श्री भरोषी जाटव एवं नगर पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे।

1 जुलाई से मप्र में लागू होगा विकसित भारत अधिनियम जी राम जी

भोपाल। प्रदेश में एक जुलाई 2026 से विकसित भारत जी राम जी अधिनियम पूरी तरह से लागू हो जाएगा। अधिनियम के लागू होने से अब वर्ष भर में 125 दिन का रोजगार मिलेगा। इससे न सिर्फ ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि अधोसंरचनात्मक विकास को भी गति मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका एवं अधोसंरचनात्मक विकास के दृष्टिगत भारत सरकार द्वारा विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम-जी) अधिनियम-2025 को हाल ही अधिसूचित किया गया है। यह अधिनियम प्रदेश में एक जुलाई 2026 से लागू हो जाएगा। प्रदेश में विकसित भारत जी राम जी अधिनियम लागू होने के साथ मनरेगा अधिनियम स्वत- ही निरस्त हो जाएगा। विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम ग्रामीण विकास के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक परिवर्तन है जो विकसित भारत ञ2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप एक समेकित रूप में भविष्य उन्मुख एवं उत्पादकता आधारित ग्रामीण विकास में ढांचागत परिवर्तन कर एक नए युग की शुरुआत करता है। अधिनियम के अंतर्गत प्रत्येक ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्य जो अकुशल कार्य करने के इच्छुक हैं उनके लिए एक वित्तीय वर्ष में 125 दिन के रोजगार का प्रावधान किया गया है। इससे ग्रामीणों की आय में वृद्धि के साथ आजीविका की सुरक्षा को मजबूती प्राप्त होगी। अधिनियम के प्रावधानों में श्रमिकों द्वारा कार्य की मांग करने पर उसे समय सीमा में कार्य उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है, अन्यथा उसे श्रमिक बेरोजगारी भत्ता पाने का हक होगा।

अधिनियम के तहत कार्य करने वाले श्रमिकों को समय सीमा में प्रत्यक्ष भुगतान प्रणाली (डायरेक्ट बेनीफिट ट्रान्सफर-डीबीटी) के माध्यम से उनके बैंक अथवा डाकघर खातों में भुगतान किया जाना अनिवार्य किया गया है। अन्यथा वह श्रमिक विलम्बित क्षतिपूर्ति पाने का पात्र होगा। अधिनियम में विकसित भारत ञ2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना स्टैक व पीएम गति शक्ति के एकीकरण सहित शुरू किए जाने वाले कार्यों में जल-संबंधी कार्यों के माध्यम से जल सुरक्षा, ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत अवसंरचना, आजीविका-संबंधी अवसंरचना तथा प्रतिकूल मौसमीय घटनाओं के शमन के लिये कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। वीबी जी राम जी अधिनियम में बुवाई और कटाई के पीक सीजन में कृषि श्रमिकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक वित्तीय वर्ष में 60 दिनों की अवधि 'विराम अवधि' के रूप में रहेगी, जिससे कृषि कार्य के लिये श्रमिकों की उपलब्धता रहे।

भोपाल में भारत-ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 हॉकी सीरीज का आगाज़ 15 मई से

एशिया कप की तैयारियों के मद्देनज़र आयोजित होगी चार मैचों की अंतरराष्ट्रीय हॉकी श्रृंखला

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश के तत्वावधान में भोपाल में आयोजित होने जा रही भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 हॉकी सीरीज के लिए भारतीय एवं ऑस्ट्रेलियाई जूनियर टीमें आज राजधानी भोपाल पहुंचीं। राजा भोज एयरपोर्ट पर दोनों देशों के खिलाड़ियों एवं कोचिंग स्टाफ का खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। खिलाड़ियों को पारंपरिक तरीके से शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की गई। यह अंतरराष्ट्रीय हॉकी श्रृंखला 15 मई से 20 मई 2026 तक भोपाल स्थित उधव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल सेंटर में आयोजित की जाएगी। सीरीज में भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई अंडर-18 पुरुष एवं महिला टीमें आमने-सामने होंगी। यह प्रतियोगिता आगामी एशिया कप की तैयारियों के दृष्टिगत बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसमें युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्राप्त होगा। श्रृंखला के अंतर्गत पुरुष वर्ग के मुकाबले 15 मई, 17 मई, 18 मई एवं 20 मई को खेले जाएंगे। वहीं महिला वर्ग के मैच भी इन्हीं तिथियों में आयोजित होंगे। सभी मुकाबले उधव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल सेंटर, भोपाल में होंगे। इस अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी, भोपाल के कुल 10 खिलाड़ियों का भारतीय टीम में चयन हुआ है। पुरुष टीम में आयुष रजक, अंश बहुत्रा, करण गौतम, अवि माणिकपुरी, सिद्धार्थ बेन और गाज़ी खान शामिल हैं। वहीं महिला टीम में स्नेहा दावड़े, महक परिहार, नम्मी गीताश्री और नौशीन नाज़ भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। घरेलू मैदान पर खेलने को लेकर खिलाड़ियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।भोपाल में लगातार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के सफल आयोजन से मध्यप्रदेश देश के प्रमुख खेल केंद्रों में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। आधुनिक खेल सुविधाओं, उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था और खेल अकादमियों की बदौलत प्रदेश के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय टीमों में स्थान बना रहे हैं। मध्यप्रदेश के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह श्रृंखला प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा ऐसे आयोजन युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेंगे।

मई अंत में जापान में होगा -18 एशिया कप मुकाबला

18 एशिया कप 2026 इस महीने के अंत में जापान के काकामिगाहारा में आयोजित किया जाएगा। हॉकी इंडिया और अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (स्नढ्ढ॥) के कैलेंडर के अनुसार, इस टूर्नामेंट में एशिया की शीर्ष जूनियर टीमें हिस्सा लेंगी और यह युवा खिलाड़ियों के लिए सीनियर स्तर तक पहुंचने का अहम प्लेटफॉर्म माना जाता है।

जिला मुख्यालय पर कलेक्टर ने जनुसनवाई में 272 आवेदकों की सुनीं समस्याएं

मुरैना। शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के अंतर्गत कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट कार्यालय, मुरैना में जनसुनवाई के दौरान 272 आवेदकों की समस्याओं को सुना। जनसुनवाई में गंभीर समस्या वाले 18 आवेदनों पर कलेक्टर ने टीएल मार्क किया और कहा कि इन आवेदनों पर सुनवाई टीएल बैठक में अधिकारियों से रूबरू की जाएगी। मंगलवार, 12 मई को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री जांगिड़ ने राजस्व, भूमि विवाद, छात्रवृत्ति, अतिथि शिक्षक, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, पेंशन, स्वच्छता, अतिक्रमण, सिंचाई विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदनों को सुना। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को जन आकांक्षा पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव, अपर कलेक्टर श्री अश्विनी कुमार रावत, डिप्टी कलेक्टर श्री भरत कुमार, श्रीमती प्रतिज्ञा शर्मा सहित समस्त जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 कॉम्पलेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित।
संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)